देश का प्रमुख दैनिक समाचार-पत्र

जन जन जागरण

जनहित का सजग प्रहरी

ब्रीफ न्यूज

नूपुर शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई, गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग की

नई दिल्ली। पूर्व भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा ने अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर में गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल की है। पैगंबर को लेकर विवादित बयान देने पर नूपुर के खिलाफ कई जगह एफआईआर दर्ज हुई हैं। नूपुर ने सभी एफआईआर को क्लब करने का निर्देश देने की भी मांग की है।

शिवसेना के नए नेता चुने गए एकनाथ शिंदे

मुंबई। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री की कुर्सी के बाद अब शिवसेना पर घमासान तेज हो गया है। बागी गुट के नेता एकनाथ शिंदे ने सोमवार को अपने समर्थक विधायकों के साथ बैठक की, जिसमें पार्टी की पुरानी राष्ट्रीय कार्यकारिणी भंग कर दी गई। शिंदे गुट ने इसके साथ ही नई कार्यकारिणी का ऐलान भी कर दिया। इसमें उद्धव ठाकरे को हटाकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को शिवसेना का नया नेता चुन लिया गया है।

केरल में मंकीपॉक्स का एक और कन्फर्म केस मिला

केरल। केरल में मंकीपॉक्स का एक और कन्फर्म केस मिला है। राज्य की हेल्थ मिनिस्टर वीना जॉर्ज ने बताया की कन्नूर जिले का 31 साल का व्यक्ति टेस्ट में पॉजिटिव मिला है। वह 13 जुलाई को दुबई से लौटा है। उसकी तबीयत अभी ठीक है। उसके संपर्क में आए लोगों पर नजर रखी जा रही है। मालूम हो कि चार दिन पहले यूएई से केरल लौटा एक व्यक्ति मंकीपॉक्स टेस्ट में पॉजिटिव निकला था।

राष्ट्रपति चुनाव के लिए समाप्त हुआ मतदान | संसद में कुल 99.18 प्रतिशत हुई वोटिंग

पीएम मोदी सहित मंत्रियों और सांसदों ने की वोटिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

देश के 15वें राष्ट्रपति के लिए चुनाव हुए। सोमवार शाम को मतदान समाप्त हो गए हैं। पीएम नरेन्द्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अलावा कई सांसद और केंद्रीय मंत्री वोट डाला। कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों और विधायकों ने भी मतदान किया। राष्ट्रपति पद के लिए एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू और विपक्ष के प्रत्याशी यशवंत सिन्हा के बीच मुकाबला है। वोटों का गणित देखे तो द्रौपदी मुर्मू की जीत पक्की मानी जा रही है। अगर द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति बनती हैं तो वह आदिवासी समुदाय की देश के शीर्ष संवैधानिक पद पर पहुंचने वाली पहली शख्सियत होंगी। मतदान के बाद सभी राज्यों से मत पेटियां दिल्ली लाई जाएंगी और 21 जुलाई को वोटों की गिनती के बाद देश के नए राष्ट्रपति के नाम की घोषणा कर दी जाएगी।

मतदान के बाद जाते हुए पीएम मोदी।

संसद में 99.18 प्रतिशत हुआ मतदान

मुख्य रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि देश में हर जगह शांतिपूर्वक और सौहार्दपूर्ण ढंग से राष्ट्रपति के लिए वोटिंग हुई। संसद में कुल 99.18 प्रतिशत मतदान हुआ।

शिरोमणि अकाली दल के विधायक ने किया चुनाव बहिष्कार

शिरोमणि अकाली दल के विधायक मनप्रीत सिंह अयाली ने राष्ट्रपति चुनाव का बहिष्कार किया। पंजाब से संबंधित मुद्दे अनसुलझे हैं और एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को समर्थन देने का फैसला करने से पहले उनकी पार्टी नेतृत्व ने उनसे सलाह नहीं ली थी।

आदिवासी बेटी बनेगी भारत की राष्ट्रपतिः शिवराज सिंह चौहान

मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज मध्य प्रदेश में हमारे विधायक राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग कर रहे हैं। एक आदिवासी बेटी... भारत की बेटी राष्ट्रपति बनेंगी।

सीएम योगी ने डाला वोट

राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए विधान भवन के तिलक हाल में सुबह 10 बजे से मतदान शुरू हुआ। पहला वोट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डाला। उनके साथ मतदान करने आए संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने भी वोट डाला।

मुख्यमंत्री योगी बोले | आजादी के अमृत महोत्सव पर

प्रदेश में फहराए जाएंगे तीन करोड़ 18 लाख तिरंगे

एजेंसी, लखनऊ

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत देश में 11 से 17 अगस्त तक स्वतंत्रता सप्ताह मनाया जाना है। प्रदेश सरकार ने 13 से 15 अगस्त के बीच हर घर तिरंगा कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी के साथ हुई वीडियो कान्फ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तैयारियों का ब्योरा साझा किया। बताया कि प्रदेशभर में तीन करोड़ 18 लाख तिरंगे फहराए जाएंगे। अपने सरकारी आवास पर वीडियो कान्फ्रेंसिंग में शामिल हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आजादी के अमृत महोत्सव के विजन को देश में उत्साह और उमंग के साथ पूरा किया जा रहा है। हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत प्रदेश में कुल तीन करोड़ 18 लाख तिरंगे फहराए जाएंगे। 31 जुलाई, 2022 तक जिला मुख्यालय तक झंडे भेज दिए जाएंगे।

महान साधक एवं प्रेरणास्रोत पूज्य दद्दाजी की 98 वीं जयंती पर अनेक कार्यक्रम

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास ने किया विविध शहरों में कार्यक्रमों का आयोजन संपन्न

सतना/छतरपुर/नई दिल्ली/महोबा। आज महान साधक, समाज सुधारक और राष्ट्र सेवक पं. गणेश प्रसाद मिश्र की 98 वीं जयंती है। धरती पर बिरले ही ऐसे व्यक्तित्व का अवतरण होता है, जिससे वह क्षेत्र धन्य हो जाता है। ऐसे ही व्यक्तित्व पं. गणेश मिश्र प्रसाद (दद्दाजी) का जन्म भारत के हृदयप्रदेश मध्य प्रदेश में नौगांव नगर के निकट धवर्रा गांव में 18 जुलाई 1924 हुआ था। उन्होंने अपने कर्म, साधना और सोच से समाज और आने वाली पीढ़ी को नई दृष्टि और दिशा दिखाई। उनका उनका जीवन तपस्वी का था, उनका कार्य समाज के लिए एक दिशा है तो उनकी दृष्टि नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है।

शेष पृष्ठ 05 पर...

» न्यूज कैप्सूल »

आकांक्षा ने की चार्टर्ड अकाउंटेड परीक्षा पास

दमोह। नगर के सिविल वार्ड नंबर 7 दमोह निवासी पालिका परिषद कार्यालय में पदस्थ संजय सिंह परिहार की सुपुत्री आकांक्षा सिंह परिहार ने चार्टर्ड अकाउंटेड की परीक्षा पास कर दमोह नगर को गौरवान्वित किया हैं। आपने नव जागृति शाला दमोह से कक्षा 12 की परीक्षा में 92.8 प्रतिशत हासिल कर मप्र मैरिट की सूची में दसवा स्थान हासिल किया था। इसके बाद इंदौर में चार्टर्ड अकाउंटेड बनने के लिए तैयारी कर और चार्टर्ड अकाउंटेड की परीक्षा पास कर ली हैं। सीए बनी आकांक्षा ने अपनी सफ्लता पाने के लिए विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य और आत्मविश्वास रखे यही सफ्लता का सूत्र हैं। इन्होंने अपनी सफ्लता का श्रेय अपने माता पिता, समस्त परिवार एवं सहपाठियों व गुरूजनो को दिया हैं।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग ने दमोह शहर स्थित विभिन्न रेस्टोरेंट का किया औचक निरीक्षण

दमोह। कलेक्टर एस. कृष्ण चैतन्य द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत डी.ओ. खाद्य सुरक्षा प्रशासन डॉ. संगीता त्रिवेदी के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी, दमोह राकेश अहिरवाल ने कार्यवाही करते हुए दमोह शहर के विभिन्न रेस्टोरेंट पर निरीक्षण कार्यवाही करते हुये तैयार खाद्य सामग्री के नमूने जांच हेतु लिए हैं। दमोह शहर में राकेश अहिरवाल वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने कचौरा शॉपिंग के सामने, स्टेशन रोड स्थित दावत रेस्टोरेंट मैनेजर हसन सैफी से दही लस्सी के नमूने जांच हेतु लिए है। इन नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर इस संबंध में नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। मैजिक बॉक्स की सहायता से पनीर, लस्सी, छाछ, दही, मसाले, गरम मसाला, आटा, मैदा, ड्राई फ्रूट्स आदि जांच की गई। मौके पर रेस्टोरेंट संचालक को परिसर में फ्रूड सेफ्टी डिस्प्ले बोर्ड लगवाने, कार्यरत स्टाफ्का वार्षिक मेडिकल फ्टिनेस प्रमाण पत्र बनवाने एवं पेस्ट कंट्रोल प्रबंधन की व्यवस्था करवाने के निर्देश दिए गए हैं। खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग की यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

जैन मिलन वरिष्ठ शाखा दमोह ने किया पौधारोपण

दमोह। नगर के हृदय-स्थल घंटाघर के समीप शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला परिसर में जैन मिलन वरिष्ठ शाखा द्वारा वृहद पौधारोपण किया। पौधारोपण कार्यक्रम में प्रयास पर्यावरण संस्था मध्यप्रदेश शिक्षक संघ एवं आनंदम संस्था ने अपनी सक्रिय सहभागिता प्रदान करते हुए शाला परिसर में अशोक, पाम, तथा अन्य उपयोगी पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में नगर के लोकप्रिय प्रोफेसर डॉक्टर पीएल जैन ने अपनी उपस्थिति प्रदान कर पर्यावरण प्रेमियों को प्रोत्साहित किया। शाखा के वरिष्ठ सदस्यों के रूप में वीर नेम कुमार सराफ वीर ललित सराफ वीर मूलचंद जैन, वीर डॉक्टर एलसी जैन, वीर संदीप मोदी, वीर सतीश जैन, शिक्षक वीर भरत जैन एवं वीर दीपक बमोरिया, वीर पदम जैन, महेंद्र जैन, आरपी सिंह, एसके उपाध्याय, श्री मिश्रा आदि, पौधारोपण में सक्रिय भूमिका अदा की शाला प्राचार्य श्रीमती अर्चना जैन ने आयोजक संस्था को धन्यवाद देते हुए कहा कि रोपे गए पौधों की सुरक्षा करते हुए उन्हें वृक्ष बनाने की संपूर्ण जिम्मेदारी शाला परिवार निभाएगी जैन मिलन वरिष्ठ शाखा के अध्यक्ष वीर केसी जैन ने शाला परिवार का आभार माना। शाखा के मंत्री वीर ऋषभ जैन (खड़ेरी) द्वारा संपूर्ण व्यवस्थाओं को स्वयं देखा गया। कार्यक्रम का संचालन प्रयास पर्यावरण संस्था के अध्यक्ष पारस कुमार जैन ने किया।

महिला की शिकायत पर एक के खिलाफ मारपीट सहित एससी एसटी का मामला दर्ज

पिपरिया। मंगलवारा पुलिस थाने में महिला की शिकायत पर एक के खिलाफ मारपीट सहित एससीएसटी का मामला दर्ज। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादिया वर्षा धुर्वे पिता राजेंद्र धुर्वे 19 वर्ष निवासी सरदार वार्ड के द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराई कि सुभाष वार्ड पिपरिया निवासी इकबाल पिता इस्माइल खान दिनांक 16जुलाई 2022 को मेरी मां ममता धुर्वे को जानता था। वह आया और उन्हे अकारण गंदी गंदी गालियां देकर जान से मारने की धमकी दी एवं जाति सूचक शब्द कहे। जिसकी रिपोर्ट पर धारा 294 506 एससीएसटी एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया है।

पुराने विवाद को लेकर मजदूरी पर जा रही माँ बेटी पर कुल्हाड़ी से हमला करने वाला गिरफ्तार

पिपरिया। शनिवार को पुराने विवाद को लेकर मजदूरी पर जा रही माँ बेटी पर कुल्हाड़ी से हमला करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। मंगलवारा थाना प्रभारी ने बताया कि धारा 307, 294,323,506 के प्रकरण में आरोपी जीजा राजू पिता बारेलाल हरिजन 41 वर्ष निवासी ग्राम माथनी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पिपरिया पेश किया गया। न्यायालय द्वारा न्यायिक अभिरक्षा में उस जेल भेजा है।

स्कूल समय पर खुलें, लगातार डीईओ और डीपीसी निरीक्षण करें: कलेक्टर चैतन्य

गिरदावरी में मूंग फसल नहीं है तो सत्यापन के लिए संपर्क नहीं किया जाये समय सीमा बैठक संपन्न दिये गये अहम दिशा निर्देश

दमोह। जिले में किसी भी विभाग का भूमि आवंटन आदि के कोई भी प्रकरण लंबित हो, त्वरित निराकरण करवाये, प्रकरण जिला कार्यालय भेजें। राजस्व विभाग के पेंडिंग प्रकरणों का भी त्वरित निराकरण किया जाये। इस आशय के निर्देश कलेक्टर एस. कृष्ण चैतन्य ने जिला अधिकारियों को दिये। उन्होंने 11 अगस्त से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान के संबंध में चर्चा करते हुए तदानुसार कार्यवाही के लिए कहा। बैठक में सी.ई.ओ. जिला पंचायत अजय श्रीवास्तव विशेष रूप से मौजूद रहे। कलेक्टर श्री चैतन्य ने आर.बी.सी. छह-चार के तहत लंबित प्रकरणों का तेजी से निराकण के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा अभी भी हैण्डपंपो में पानी की समस्या देखने में आ रही है, पी.एच.ई. विभाग और सी.ई.ओ. जनपदों को दिशा निर्देश दिये गये। श्री चैतन्य ने मूंग पंजीयन और सत्यापन के संबंध में नोडल अधिकारियों से निर्देशानुसार कार्रवाई करने के लिए कहा। उन्होंने साफ तौर पर कहा गिरदावरी में फसल नहीं है, सत्यापन के संबंध में संपर्क नहीं करें। कलेक्टर ने कहा सभी मण्डीयों से ग्राम वाइज आवक की जानकारी ले ली जाये। कलेक्टर श्री चैतन्य ने मत्स्य बीज उत्पादन की जानकारी लेकर सहायक संचालक मत्स्य को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में सी.एम. हेल्पलाइन की विभागवार समीक्षा करते हुए त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गये।

स्कूल समय पर खुले, जांच करते रहे

कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी और जिला परियोजना समन्वयक से कहा प्रतिदिन स्कूलो का आकस्मिक निरीक्षण करते रहें, कही भी शिकायत पाये जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाये। साथ ही मध्याह्न भोजन भी चैक करने के निर्देश दिए।

जन्म दिन-वर्षगांठ पर स्कूल में दे सकते है भोज

बैठक में सी.ई.ओ. जिला पंचायत अजय श्रीवास्तव ने अधिकारियों से कहा आमजन भी अपने जन्मदिन या विवाह वर्षगाँठ या विशेष दिवसों पर स्कूलों में बच्चों को भोज दे सकते हैं, किन्तु सूचना पूर्व में देनी होगी, का प्रचार-प्रसार करने के लिए भी कहा है। उन्होंने कहा यह सुनिश्चित किया जाये एस.एम.एस. के माध्यम से छात्रों की उपस्थिति की सूचना दी जाये। सी.ई.ओ. जिला पंचायत श्री श्रीवास्तव ने आयुष्मान कार्ड के संबंध में कहा पात्र हितग्राहियों के कार्ड अभियान के रूप में बनाये जायें महिला बाल विकास के मैदानी अमले को सक्रिय सहयोग के लिये दिशा निर्देश देने के लिए कहा गया।

ध्वज 5 लें एक स्वयं लगाये और चार लोगो को दें

सीईओ जिला पंचायत ने कहा हर अधिकारी-कर्मचारी 5 ध्वज लें एक लगायें और 4 ध्वज लोगों को प्रेरित करते हुए घरों पर लगाने के लिए दें। उन्होंने आमजनो से इसी तरह की पहल करने का आग्रह किया है। यही भी बताया कि जिला पंचायत में शीघ्र ही ध्वज उपलब्ध हो रहे हैं।

तेज बारिश से नदी नाले उफान पर नर्मदा पुरम खंडवा एस्टेट मार्ग हुआ बंद

हरदा। हरदा में रविवार रात से हो रही लगातार बारिश के चलते कई नदी नाले उफान पर आ गए जिसके चलते ग्रामीण क्षेत्रों की निचली बस्तियां जलमग्न हो गई मचक नदी के उफान पर आने से माता के पास नदा का पानी सुबह से पुल के ऊपर से करीब 3 फीट बह रहा था जिसके चलते नर्मदा पुरम खंडवा स्टेट मार्ग बंद हो गया अजनाल नदी माला नदी मुहाल नदी का फहद कला की नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया था। जलस्तर में हो रही बढ़ोतरी के चलते नदी का पानी मानपुरा, जत्रापड़ाव, इमलीपुरा क्षेत्र में घुस गया है। मुहाल नदी के पुल पर रेलिंग टूट सड़क पर आ गई जिससे आवागमन बंद हो गया था जिले में मौसम विभाग के भारी बारिश के अलर्ट एवं तवा डेम के 13 गेट खुलने के बाद प्रशासन ने अलर्ट जारी कर दिया है। वही होमगार्ड एवं एसडीआरएफ की टीम को अलर्ट कर दिया है। कलेक्टर ऋषि गर्ग ने बताया कि बारिश के अलर्ट के बा नर्मदा नदी के किनारे बसे 28 से 30 गांवों में नर्मदा नदी के जलस्तर में हो रही बढ़ोतरी को ध्यान में रखते हुए सभी टीमों को तैनात कर दिया है। धर्मशालाओं को लोगों के ठहरने के लिए खोल दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रशासन किसी भी तरह की आपात स्थिति से निपट पूरी तरह से तैयार है।

आधारशिला संस्थान में रोपे गए सैकड़ों पौधे

दमोह। प्रमुख समाज सेवी संस्था आधारशिला संस्थान की समस्त शिक्षण संस्थान एवं स्टाफसहित संस्था प्रमुख डॉ. अजय लाल के पूरे परिवार के द्वारा संस्था परिसर में पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर डॉ. अजय लाल ने संस्था के सभी सहकर्मियों के साथ कॉलेज ऑफनर्सिग स्टाफ सेन्ट्रल इंडिया एकेडमी के स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं से कम से कम दस पौधे संस्था परिसर में लगाने की अपील की। आधारशिला संस्थान परिसर में पौधेरोपने का कार्य किया गया। जिसका प्रारंभ डॉ. अजय लाल व उनकी पत्नी डॉ. श्रीमती इन्दु लाल की अगुवाई में पूरे परिवार के सदस्यों ने पौधारोपण किया। डॉ. लाल ने कहा कि पर्यावरण को लेकर हमें देश वासियों को जागरूक बनाना है, जिससे साफ-सफाई के साथ हमें पर्यावरण के प्रति भी गंभीरता व संवेदनशील रहना होगा। यह हर एक नागरिक का कर्तव्य है, जिम्मेदारी है। सिर्फ शासन-प्रशासन एवं सामाजिक संस्थाएं ही नहीं प्रत्येक नागरिक को पौधारोपण करके अपना राष्ट्र को योगदान देना चाहिए। आपने अपेक्षा व्यक्त की प्रत्येक स्टाफ के द्वारा दस पौधे संस्था परिसर में लगाएं जाएंगे इस अवसर पर डॉ. अजय लाल की बड़ी पुत्री श्रीमती अभिनीता मैटनी ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मेरे माता-पिता ने जिस तरह से पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए विगत तीस वर्षों से कार्य किया है। उसी को आधार मानकर हम व हमारे बच्चे पौधारोपण कार्य को गति प्रदान कर रहे हैं। जहां पर संस्था स्थापित है, यहां कभी बंजर व पथरीली जमीन हुआ करती थी। लेकिन मेरे माता-पिता के प्रयासों से यहां पर हरियाली नजर आ रही है। वहीं श्रीमती अभिलाषा हावर्ड ने कहा कि बिगड़ते पर्यावरण को सुधारने की जवाबदारी हम सभी की है। इसी उद्देश्य को लेकर आज हमारे परिवार के छोटे बच्चे भी पौधारोपण कार्य में अपना योगदान दे रहे हैं, ताकि हमारे आसपास का वातावरण शुद्ध और हरियाली से युक्त हो। इस अवसर पर भाई ग्रेग मैटनी, भाई जॉश हावर्ड के साथ ही कु. सारिका लाल, कु. ऊषा, एडिन जोशाया, जर्माया, जारा ने भी अपने नन्हे-नन्हे हाथों से पौधे रोपे और सभी को संदेश दिया कि पर्यावरण को सुरक्षित रखना कितना आवश्यक है।

विद्या मृदु प्रवाह द्वारा हुआ ग्रंथों का विमोचन

दमोह। दिगंबर जैन वीतरागी संत आचार्य शिरोमणि परम पूज्य 108 श्री विद्यासागर जी मुनि महाराज की संघस्थ परम विदूषी महिला जैन संत पूज्य 105 आर्यिका रत्न श्री मृदु मति माता जी, पूज्य आर्यिका श्री निर्णय मति माता जी के 36 वें वर्षायोग चातुर्मास कलश स्थापना के पावन अवसर पर 16 जुलाई को दमोह के सिंघई मन्दिर में भारी जन समुदाय के बीच विद्या मृदु प्रवाह ग्रंथ प्रकाशन समिति' के पदाधिकारियों ने जैन आगम के ग्रंथों व साहित्यिक पुस्तकों का विमोचन किया। समस्त विधान ग्रंथ साहित्य की रचना पूज्य आर्यिका रत्न श्री मृदु मति माता जी की लेखनी से हुई है। इस अवसर पर बाल ब्रह्मचारिणी श्री वंदनीय पुष्पा दीदी जी के मार्गदर्शन में श्रीमति शोभा श्री अरविन्द इटोरिया संस्था अध्यक्ष ने सपरिवार विशेष वर्षायोग कलश स्थापित करने का सौभाग्य पाया। श्रीमति साधना राकेश पलंदी महामंत्री ने सपरिवार कलश स्थापित व माता जी के कर कमलों में शास्त्र भेंट किया। साथ ही विद्या मृदु प्रवाह के समस्त पदाधिकारीगणों ने कलश स्थापित किए। जिनमें श्रीमति मंजू डॉ.आर. के. जैन उपाध्यक्ष, श्रीमति नीलू इंजी. ऋषभ जैन उपाध्यक्ष, श्रीमति डॉ. कविता अमित जैन विशिष्ठ सलाहकार, श्रीमति प्रभा श्री सन्तोष जैन शिक्षक बनवार वाले कोषाध्यक्ष, श्रीमति संध्या श्री अवध जैन शिक्षक प्रचार मंत्री, श्रीमति राजकुमारी जैन मातेश्वरी ब्रम्हचारी अमित भैया (सी.एस.) धार्मिक तकनीकी मंत्री (जो कि परम पूज्य आचार्य वर्धमान सागर संघस्थ पूज्य 108 मुनि श्री अभय सागर जी महाराज के गृहस्थ अवस्था की पर्याय श्रीमान वृतीचंद जी जैन का परिवार है), श्रीमति मीना श्री विनय जैन (सिंचाई विभाग) सह मंत्री की मातेश्वरी श्रीमति उषा जैन, श्रीमति अनु श्री रामकुमार रानू (चंद्रकुमार खजरी परिवार) सह कोषाध्यक्ष, श्रीमति वर्षा श्री शैलेन्द्र जैन संगठन मंत्री (श्रीमति स्वर्णलता श्री देवेंद्र जैन लॉट शॉप परिवार) मुख्य हैं। सिंघई मन्दिर में प्रात: 8 से 9 बजे तक तत्वार्थ सूत्र जी (मोक्ष शास्त्र) का शिक्षण पूज्य मृदु मति माता जी द्वारा दिया जा रहा है।

इनरव्हील क्लब मैहर की नई कार्यकारिणी ने संभाली जिम्मेदारी

मैहर। इनरव्हील क्लब मैहर की नई कार्यकारिणी ने रविवार को तत्कालीन अध्यक्ष रिंकी घई ने नए अध्यक्ष ममता सैनी को कॉलर पहनाकर अध्यक्ष का कार्यभार सौंपा। कार्यक्रम की शुरुआत मां शारदादेवी को नमन कर दीप प्रज्वलन किया गया। अध्यक्ष श्रीमती ममता सैनी ने अपने सभी पदाधिकारियों उपाध्यक्ष नीलम अग्रवाल, सचिव चित्रा सक्सेना, कोषाध्यक्ष रेखा दुबे, एडिटर मुदिता त्रिपाठी एवं आईएसओ शिल्पा अग्रवाल ने शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम में क्लब के सदस्य मीना अग्रवाल, मनिका अग्रवाल, प्रमिला गुप्ता,प्रियंका राय, सपना श्रीवास्तव, स्वाति द्विवेदी, ज्योति मखीजा, रितु मिश्रा, गुंजन ओबराय एवं प्रीति कुशवाहा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का सफ्ल संचालन सदस्य आरती सिंह के द्वारा किया गया।

भारत पेंशनर समाज ने की 14 प्रतिषत मंहगाई राहत प्रदाय की मांग

मैहर। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार भारत पेंषनर समाज की मासिक बैठक पेंषनर कार्यालय मैहर में संरक्षक रविनंदन मिश्र के संरक्षण व अध्यक्ष आर.पी.गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें सर्वप्रथम मां सरस्वती व वीर हनुमान की प्रतिमा में उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। तत्पष्चात हनुमान चालीसा का पाठ संगीतमय ध्वनिमति से किया गया। पिछली कार्यवाही का पालन प्रतिवेदन सचिव विनोद कुमार श्रीवास्तव द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसे ध्वनिमति से पारित किया गया। अध्यक्ष आर.पी.गर्ग द्वारा बताया गया कि राज्य पेंषनरों की मंहगाई भत्ता का मामला विधानसभा पहुंच गया है। प्रदेष के पेंषनरों को मंहगाई भत्ता 17 प्रतिषत मिल रहा है जबकि उसे 31 प्रतिषत मिलना चाहिये यही

स्थिति म.प्र. और छत्तीसगढ़ राज्य की सहमति न होने के कारण बनी है। विगत वर्षो से दोनो राज्य के पेंषनर बंटवारा की धारा 49 के विलोपन के लिये धरना प्रदर्षन एवं आंदोलन कर रहे हैं। अब यह मामला मप्र. विधानसभा में पहुंच गया है। जबलपुर से कांग्रेस के विधायक एवं पूर्व वित्त मंत्री तरूण भनोत ने विधानसभा में प्रस्तुत करवाया है कि धारा 49 का विलोपन कब होगा। पेंषनरों को बिना छत्तीसगढ़ की सहमति के मंहगाई भत्ता कब से मिलना प्रारंभ होगा। वित्त मंत्री 26 जुलाई को इसका उत्तर विधानसभा पटल में देंगे। अब राज्य के 5 लाख पेंषनर विधानसभा की ओर अपनी आषा भरी निगाहें लगाये हैं। यह आखिरी प्रयास है यदि इसमें भी सफ्लता नहीं मिलती तो अब पेंषनर न्यायालय की षरण लेने के लिये बाध्य होंगे जिसके लिये सभी पेंषनर साथी मना स्थिति से तैयार रहें। वृहद चर्चा उपरांत यह प्रस्ताव पारित करते हुये जिला एवं प्रदेष संघ से अनुरोध किया गया कि अतिषीघ्र षासन स्तर से कार्यवाही कराते हुये पेंषनरों को 14 प्रतिषत मंहगाई राहत प्रदाय कराया जाय। संघ की गतिविधियों के बारे में संरक्षक रविनंदन मिश्र द्वारा अपने उद्बोधन में बताते हुये सदस्यता बढ़ाने का सुझाव दिया। अगली मासिक बैठक 17 अगस्त बुधवार को सायं 4 बजे से पेंषनर कार्यालय में आयोजित होगी जिसमें समय से उपस्थित होने कि अपील अध्यक्ष द्वारा की गई है। सभा का कुषल संचालन अध्यक्ष आर.पी.गर्ग द्वारा व आभार प्रदर्षन जगन्नाथ पटेल द्वारा किया गया। बैठक में मुख्य रूप से रामकुमार श्रीवास्तव, सोहनलाल दाहिया, जगदीष प्रसाद सोनी, अरूण कुमार द्विवेदी, रामहेतु मिश्र, गोविंद प्रसाद अग्रवाल, जगन्नाथ पटेल, पुरूषोत्तम नामदेव, दुर्गा प्रसाद षुक्ला एवं बालकृष्ण दुबे सहित काफी संख्या में पेंषनर साथी उपस्थित रहे।

साली ने जीजा के खिलाफ छेड़खानी का मामला दर्ज कराया

पिपरिया। नगर के समीपस्थ ग्राम हथवांस स्थित पटैल कालोनी निवासी एक महिला ने अपने जीजा के खिलाफ मंगलवारा पुलिस थाने में छेड़खानी का मामला दर्ज कराया। मंगलवारा थाने के एएसआई गणेश राय ने बताया कि ग्राम हथवास पटेल कॉलोनी निवासी 24 वर्षीय महिला के द्वारा ग्राम चंदेरी निवासी अपने जीजा के खिलाफ दर्ज कराई कि वह सात बहने हैं बड़ी बहन की ससुराल चंदेरी में है। जिसका पति हिमाचल प्रदेश में किसी प्राइवेट कंपनी में काम करता है जो अपने गांव आया था मैं अपने घर पर अकेली थी तब वह घर आया और उसने घर में आकर छेड़छाड़ की गई। महिला कि रिपोर्ट पर धारा 452,354,506 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। आरोपी जीजा फरार है जिसकी तलाश की जा रही है।

जिला स्तरीय यूथ महापंचायत आयोजित

नर्मदापुरम। महान क्रांतिकारी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की 116वीं जयंती पर यूथ महापंचायत का जिला स्तरीय आयोजन शासकीय होम साइंस कॉलेज में किया गया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन, नर्मदा महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ राघवेंद्र बोहरे, प्राध्यापक शासकीय महाविद्यालय इटारसी डॉ. मुकेश झोटे, डॉ. रागिनी सिकरवार, डॉ. रीना मालवीय उपस्थित रहे।

विश्व आदिवासी दिवस मनाने को लेकर आदिवासी समाज की बैठक हुई

पिपरिया। रविवार को सामुदायिक भवन हथवांस में आदिवासी समाज की बैठक का आयोजन रखा गया। जिसमें 9 अगस्त 2022 विश्व आदिवासी दिवस मनाने को लेकर चर्चा की गई। वही पिछली बार हुई कमियों को सुधार करने हेतु विचार रखे गए। कार्यक्रम में सभी की भागीदारी पर जोर दिया गया कार्यक्रम की व्यवस्था एवं प्रचार प्रसार हेतु समूह बनाकर कार्य करने का सुझाव आया। जिसमें समस्त सदस्यों द्वारा सहमति प्रदान की गई। बैठक में पंचम सिंह ठाकुर,कमलेश कुमार उइके,जीवन सिंह सिरशाम, नीति राज सिंह ठाकुर, संतोष पर्ते, विजय कुमार, अशोक कुमार, वसंतराव, राम ठाकुर, रमेश ठाकुर, रामस्वरूप, अजय, रामनारायण कुमरे, बंटी, प्रताप सिंह इवने, विजय मर्सकोले, बच्चन सिंह, नेपाल सिंह, बारेलाल, रामस्वरूप उईके, रामगोपाल, भगत सिंह, आनंद, बलिराम, शंकर सिंह धुर्वे, बसू परते आदि मौजूद रहे।

परिजनो ने कहा कि नीट में गडबडी के दोषियो पर कार्यवाही हो

पिपरिया। रविवार को नीट एग्जाम में नर्मदा पुरम के सेंट्रल स्कूल को परीक्षा का सेंटर बनाया गया था जहां परीक्षा के दौरान अफ रा तफरी का माहौल बन गया केंद्र संचालक द्वारा हिंदी मीडियम के बच्चों को अंग्रेजी का पेपर और अंग्रेजी मीडियम के बच्चों को हिंदी मीडियम का पेपर दे दिया गया। सेंट्रल स्कूल परीक्षा केंद्र में परीक्षा में सम्मिलित होने गई छात्रा के परिजनों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि वहां हमारी बिटिया के द्वारा केंद्र प्रभारी को इस बात की जानकारी दी गई कि यह पेपर आपने गलत दिया है तो उनके द्वारा बताए गए कि नहीं नियम बदल गया है करीब आधे घंटे बाद अनाउंस होता है की आप लोगों के पेपर गलत बट गए हैं आपको पेपर बदल कर दिए जाएंगे यह परीक्षा संचालक द्वारा बहुत बड़ी लापरवाही है काफी बच्चों ने अपनी ओ ओ एम सीट को फील कर दिया था रोल नंबर भी लिख दिए थे उन सभी पर व्हाइटनर लगाकर बच्चों के पेपर लिए गए बच्चों का बहुत सा टाइम खराब हो गया हालांकि संचालक द्वारा एक्स्ट्रा टाइम देकर परीक्षा को सुचारू चलाया गया लेकिन नीट परीक्षा ऑल इंडिया लेवल की परीक्षा है बच्चे के ऊपर बहुत ज्यादा मानसिक तनाव होता है ऐसी स्थिति में बच्चे के रिजल्ट में अंतर आ सकता है दोषियों पर जरूर कार्यवाही होनी चाहिए।

» न्यूज कैप्सूल »

कच्ची शराब बेचते हुए 3 महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया

मऊरानीपुर। अवैध रूप से कच्ची शराब बेचते हुए 3 महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार आबकारी निरीक्षक ने बताया गया की ग्राम पृथ्वीपुर स्यावरी के मंदिर के पास स्थित पेड़ के नीचे अवैध रूप से कच्ची शराब बेचते हुए शिमलापुर कबूतरा डेरा निवासी मिथिलेश पत्नी सुरेश, वर्षा पत्नी रितु कुमार एवं सपना पत्नी रिंकू कबूतरा को 150 लीटर अवैध कच्ची शराब सहित गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत मामला दर्ज किया।

समाजसेवियों की बैठक हुई

मऊरानीपुर। परवारीपुरा नई बस्ती में मोहल्ला वासियों एवं समाजसेवियों की एक बैठक हुई। जिसमें शिव मंदिर निर्माण कराए जाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। शिव मंदिर के निर्माण का कार्य 3 अगस्त को भूमि पूजन करने के पश्चात निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। बैठक में दिनेश पांडे, अनिल मिश्रा, धनीराम, आलोक तिवारी, प्रमोद बादल, दीपक, सिद्धार्थ सिंह, राजू राय, अनूज शर्मा, बलबीर राय, निकेश सक्सेना, मनोहर गुप्ता, गोकुल भास्कर सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

शनिवार से विद्यालय जाते समय लापता हुए छात्र घर वापसा आया

मऊरानीपुर। शनिवार की सुबह घर से विद्यालय जाते समय लापता हुए छात्र अपने घर वापस आया। जानकारी के अनुसार गांधी गंज मऊरानीपुर निवासी अवधेश कुशवाहा का 17 वर्षीय पुत्र हर्षित सेंड मैरिज कॉलेज में पढ़ता है। वह शनिवार को सुबह विद्यालय जाने की बात कहकर गया था। और लापता हो गया शाम तक छात्र ना मिलने पर उसके पिता द्वारा कोतवाली में अज्ञात के खिलाफ अपहरण कराने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। लापता हुआ छात्र जब घर वापस आ गया तो उसके पिता उसे लेकर कोतवाली सूचना देने आए। छात्र हर्षित ने पुलिस को बताया कि वह अपने घर वालों से नाराज होकर घर से चला गया था।

दंबगों ने घर में घुसकर 4 लोगों की मारपीट

मऊरानीपुर। घर में घुसकर 4 लोगों द्वारा एक युवक व उसकी पत्नी के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मामला पुलिस ने दर्ज कर लिया। जानकारी के अनुसार ग्राम टोड़ी फतेहपुर निवासी कदीर खान पुत्र सुवान खान ने थाना टोड़ी फतेहपुर में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि शाम के समय उसका पुत्र अपनी पंचर बनाने की दुकान पर बैठा था। तभी गांव के ही रितेश लोधी, विजय ढीमर, मनोज कुशवाहा व एक अज्ञात व्यक्ति आए और मारपीट कर दी। तो उसका पुत्र जान बचाकर घर भागा तो उक्त लोग उसका पीछा करते हुए घर पर पहुंच गए। और घर में घुसकर पुत्र व उसकी पत्नी अनीशा बानो की मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पुलिस ने उक्त आरोपियों के खिलाफ धारा 452, 323, 504, 506 के तहत मामला दर्ज कर लिया

चालक ने तेजी व लापरवाही से चलाते हुये आपे मे मारीटक्कर

मऊरानीपुर। अज्ञात आपे चालक द्वारा तेजी व लापरवाही से चलाते हुए जोरदार टक्कर मारकर घायल कर देने का मामला पुलिस ने दर्ज कर लिया। जानकारी के अनुसार ग्राम बड़ागांव निवासी वनमाली श्रीवास पुत्र भगुंते ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 15 जुलाई की दोपहर 1:00 वह अपने पुत्र हेमंत के साथ बाइक से ग्राम बड़ा गांव जा रहा था। तभी हाईवे पर स्थित शक्कर मील के पास सामने से आ रही आपे क्रमांक यूपी 93 एटी 1914 के अज्ञात चालक ने तेजी व लापरवाही से चलाते हुए बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे उसका पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। तथा बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने अज्ञात आपे टैक्सी चालक के खिलाफ धारा 279, 337, 338, 427 के तहत मामला दर्ज कर लिया।

जहरीले पदार्थ के सेवन से युवक एवं युवती की हालत बिगड़ी

मऊरानीपुर। जहरीले पदार्थ के सेवन से एक युवक एवं एक युवती की हालत बिगड़ गई। जानकारी के अनुसार कल्लू पुत्र भगवानदास निवासी नई बस्ती मऊरानीपुर एवं भारती पुत्री मंजू निवासी ग्राम इटायल थाना लहचूरा को गंभीर अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लाया गया। बताया गया कि जहरीले पदार्थ के सेवन से दोनों की हालत बिगड़ गई। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज झांसी भेज दिया।

भोले शंकर बलखण्डेश्वर व बाबा मंशानाथ का किया रूद्राभिषेक

झाँसी। प्राचीन सूर्यमुखी सैंयर पहाड़ पर स्थित श्री पंचदंश नाम जूना अखाड़ा नागा सन्यासी आश्रम बलखण्डेश्वर बूढ़े महादेव धाम व सूर्यमुखी चोटी पहाड़ पर स्थित बाबा मंशानाथ का शिव भक्तों द्वारा भोर पहर को श्रावण मास के पहले सोमवार को ओम नम:शिवाय का महामंत्र जाप व हर-हर महादेव, बम-बम भोले के जयकारों से सूर्यमुखी पहाड़ गूंज उठा।शिवभक्तों ने मंत्रोच्चारण कर भोलेनाथ बलखण्डेश्वर व बाबा मंशानाथ का जलाभिषेक,रूद्राभिषेक कर बेलपत्र.शमी पत्ती, शहद, चीनी, दूध ,दही ,घी ,पंचामृत से अभिषेक किया और भव्य मनोहारी श्रंगार पूजा अर्चन महाआरती कर सुख समृद्धि की कामना की । भोलेशंकर का प्रसाद वितरण किया गया जो कि भक्तगणों ने श्रद्धापूर्वक गहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया ।इस अवसर पर धाम के महन्त योगी आनन्द गिरि महाराज नागा फक्कड बाबा,तपस्वी,अंजनी गिरिमहाराज नागा बाबा, श्रीराम गिरि महाराज अलख प्रसाद दुबे, विजय मुखिया , मलखान सिंह, राजकुमार राजू यादव, श्रीमती रेखा यादव प्रधान सैयर, कामता प्रसाद यादव ,धर्मेन्द्र भोला,बी0आर0 निषाद पत्रकार बाबा बट्टा गुरू, राजकुमार ध्वानी, मनोज वर्मा, किशन सिंह पहलवान , सुन्दर लाल प्रजापति ,शेरसिंह शेरा, नन्दराम , शाकूराम आदि शिव भक्तगणों ने श्रावण मास के पहले सोमवार को पूजा अर्चना अभिषेक कर सुख समृद्धि की प्रार्थना की।

किशोरी के अपहरण के आरोपी का जमानत प्रार्थनापत्र निरस्त

झांसी। बहला फुसलाकर कर किशोरी के अपहरण के मामले में आरोपी का जमानत प्रार्थनापत्र प्रभारी सत्र न्यायाधीश शक्तिपुत्र तोमर द्वारा निरस्त कर दिया गया। जिला शासकीय अधिवक्ता मृदुल कान्त श्रीवास्तव के अनुसार वादी मुकदमा ने 07 मई 2022 को थाना सीपरी बाजार में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी पुत्री उम्र करीब 15 वर्ष को सोनू कुशवाहा 05 मई को समय करीब 12 बजे दिन में अपने साथ भगा ले गया जिसकी जानकारी सोनू कुशवाहा के दोस्तों को है। सोनू कुशवाहा पुत्र पूरन कुशवाहा निवासी बाहर बड़ागाँव गेट शमशान के पीछे के खिलाफ धारा 363,366 भा0द0सं0के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। अभियुक्त सोनू कुशवाहा की ओर प्रस्तुत जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई उपरांत पर्याप्त आधार नहीं पाते हुए न्यायालय द्वारा प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया गया।

जल संरक्षण के प्रति किया जागरूक

गुरसराय। भूजल सप्ताह के चलते के सी जैन मेमोरियल पब्लिक स्कूल में जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चो ने श्लोगन के माध्यम से भूजल की अधिक से अधिक बचत करना का जन संदेश दिया जिससे आने वाली पीढ़ी जल की बचत करना सीखें।

सामाजिक संस्था प्रगति विचार धारा फाउंडेशन की पहल पर विभिन्न स्कुलो में भूजल सप्ताह पर्व मनाया जा रहा है। इसी क्रम में आज विद्यालय में प्रधानचार्य राजेश मसीह एव गीतिका दुवेदी के संयोजन में विद्यालय की महक वर्मा, स्नेहा उपाध्याय, आराध्या, हर्षिता, नीशू, मनु, अमित यादव, संगीता पटेल, संगम यादव, भुबनेंद्र आदि ने अभियान चलाकर बच्चो को जल के संरक्षण, संचयन एवं संवर्धन तथा विवेकपूर्ण उपयोग के बारे में जानकारी दी जायेगी। इस दौरान कहा कि वर्षा जल संरक्षण की जिम्मेदारी आमजनमानस के साथ-साथ हमारी भी है। इसे एक आंदोलन के रूप में एक-एक बूंद को संरक्षित किया जाना चाहिए ओर आने वाली पीढ़ी को इस ओर जागरूक होना पड़ेगा तभी जल सरंक्षण संभव होगा।

इस मौके पर प्रबन्धक प्रकाश चंद जैन, राजेश मसीह, संजीव सर, बी के सर, सचिन, रश्मि तिवारी, आस्था खरे, रजनी साहू, आकांशा कौशल, गीतिका द्विवेदी, अवधेश खरे आदि मौजूद रहे। आभार व्यक्त प्रिंस जैन ने किया।

क्रिकेट टूर्नामेंट में पीएनबी वारियर्स टीम बनी विजेता

गुरसराय। बड्स एन ब्लूम्स का क्रिकेट टूर्नामेंट प्रारंभ। बीएनबी वारियर्स ने 8 ओवर में 89 रन बनाकर टीम को विजयी बनाया।

रविवार को बड्स एंड बलूम्स स्कूल गुरसराय के क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारम्भ प्रधानाचार्य अमिता पटेल, प्रबंधक पुरुषोत्तम पटेल द्वारा फीता कटकर किया गया। यह क्रिकेट मैच बीएनबी पैंथर्स कप्तान हर्ष सोनी एवं बीएनबी वारियर्स कप्तान अंतरिक्ष त्रिपाठी के मध्य खेला गया ।

बीएनबी पैंथर्स ने टॉस जीतकर गेंदबाज़ी का फैसला किया, बीएनबी वारियर्स ने 8 ओवर्स में 89 रन का विशाल का स्कोर खड़ा किया। जिसके जवाब में बीएनबी पैंथर्स ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 87 रन बना पाए और हार का मुंह देखना पड़ा ।निर्णायक मंडली की भूमिका अनिरुद्ध सर एवं आशीष सर कर रहे थे। जबकि स्कोरबोर्ड शिवम अग्रवाल देखे हुए थे। प्रधानाचार्या अमिता पटेल ने कहा कि बच्चों में पढ़ाई के साथ-साथ खेल एवं शारीरिक विकास भी बहुत जरूरी है। यही आशा के साथ बच्चों को शारीरिक रूप से तैयार किया जा रहा है और हमेशा किया जाता रहेगा। अंतरिक्ष त्रिपाठी ने कहा की हमारी टीम बहुत अच्छा खेली सभी ने अच्छा खेला। तीन मैचों की श्रंखला का यह पहला मैच था। खेल के दौरान बच्चों अलग ही उत्साह देखने को मिला।

वृद्धा आश्रम में बुजुर्गों असहायों, को फल वितरित कर कांस्टेबल ने कराया भंडारा

गुरसरांय (झांसी)। सावन माह के प्रथम सोमवार को थाना प्रभारी गुरसरांय अरुण कुमार तिवारी के निर्देशन में कांस्टेबल हरीश गौतम ने भोले शंकर दुनिया का कष्ट हरने वाले के विशेष दिवस पर 18 जुलाई सोमवार को वृद्धा आश्रम मैं जाकर वहां सीनियर सिटीजन और असहाय लोगों को प्रसाद के रूप में फल वितरण कर विशाल भंडारा कराया जिसकी चारों तरफ गुरसरांय पुलिस के कांस्टेबल हरीश गौतम की सराहना हो रही है वही असहाय बुजुर्गों, बेजुबानों की सेवा से बढ़कर कोई पूजा नहीं है ऐसा मौके पर बड़ी संख्या में मौजूद समाज के प्रमुख लोगों ने कांस्टेबल हरीश गौतम की सराहना करते हुए उन्हें साधुवाद दिया।

तेज गति से आ रही स्कार्पियो ने मोपेड को सामने से मारी जोरदार टक्कर व जा घुसी एक दुकान में

मोपेड पर सवार दोनों चचेरे भाइयों की मौके पर ही मौत

टोड़ी फतेहपुर (झांसी)। थाना क्षेत्र के ग्राम पंडवाहा बस स्टैंड पर एक स्कॉर्पियो कार एवं एक मोपेड की आमने सामने जोरदार टक्कर हो जाने से मोपेड पर सवार दो व्यक्तियों की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई है घटना के संबंध में बताया गया है कि किशोरपुरा थाना टोड़ी फतेहपुर निवासी गुट्टी पाल उसका चचेरा भाई लल्लू पाल अपनी रिश्तेदार के यहां ग्राम कुकर गांव मोपेड से जा रहे थे कि जैसे ही वह पंडवाहा बस स्टैंड पर पहुंचे तो सामने से आ रही एक स्कॉर्पियो कार यूपी 78 जी डब्लू 2727 ने मोपेड को सामने से टक्कर मार दी टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोपेड कार में फंसकर घिसटती हुई पंडवाहा निवासी शत्रुघ्न की दुकान में जा घुसी जिससे शत्रुघ्न का पुत्र विशाल भी घायल हो गया तथा जिसके चलते मोपेड पर सवार दोनों चचेरे भाई भाइयों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जिस स्कॉर्पियो से टक्कर हुई उस पर इनकम टैक्स की सामने प्लेट लगी हुई थी व उसमें ड्राइवर सहित एक पुरुष और एक महिला सवार थी। थाना पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर मोपेड पर सवार दोनों मृतकों को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया तथा स्कॉर्पियो व उसमें सवार लोगों को पुलिस साथ ले आयी।

एकल अभियान के तत्वावधान में विराट भजन संध्या का आयोजन चित्रांश गार्डन में किया गया

बरुआसागर (झाँसी) । एकल अभियान के तत्वावधान में विराट भजन संध्या का आयोजन चित्रांश गार्डन में किया गया । जिसमें भजनों की प्रस्तुति से देर रात तक श्रोता भक्ति में लींन रहे। इस अवसर परकार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यवाह अनिल श्रीवास्तव एवं जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन जयदेव पुरोहित ने भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस मौके पर आर एस एस के प्रांत कार्यवाह ने कहा कि भारत देश दुनिया का मार्गदर्शक रहा है । सनातनी परम्परा के लिये जाना जाता रहा है । लेकिन भारतीय संस्कृति को खंडित करने का प्रयत्न किया गया है। उन्होंने कहा कि देश मे अनेक संस्कृतियों ने अपना प्रभाव डालने का प्रयास किया किया गया है। उन्होंने कहा कि देश की संस्कृति पुनर्निर्माण का काम 1947 से ही किया जाना चाहिये था। लेकिन अपने राजनैतिक महत्वाकांक्षा के चलते इस दिशा में कार्य नही किया गया । राष्ट्रीय स्वयंसेवक भारत के पुनर्निर्माण के लिये लगातार कार्य कर रहा है । देश के वंचित बस्तियों, वनवासी क्षेत्रो में एकल अभियान के माध्यम से वर्ष 1986 से विद्यालय चलाकर शिक्षा और संस्कृति के साथ साथ संस्कार प्रदान किये जा रहे हैं ।उन्होंने कहा कि दुनिया के चिंतक विचार कर रहे है कि यदि श्रष्टि को बचाना है तो भारतीय संस्कृति को अपनाना होगा। भारत की कुटुम्ब व्यवस्था को पुन: जीवित करना होगा । वसुदेव कुटुम्बकम की भावना दुनिया मे केवल भारत में ही है । इस भावना को बढ़ाना होगा।

इस अवसर पर एकल अभियान की केंद्रीय भजन टोली प्रमुख राजेश गुप्ता के निर्देशन में शिवांगी लखनऊ, सरोजनी उड़ीसा, रोहिडी लखीमपुर खीरी, जानकी नेपाल, रिंकी प्रतापगढ़, जयनारायण झारखंड, बालकराम लखीमपुर खीरी, कुलदीप अयोध्या धाम,राजेश चित्रकूट धाम द्वारा सुंदर संगीतमय भजनों की प्रस्तुति से कार्यक्रम में श्रोताओं को भक्ति से भाव विभोर कर दिया।

इस मौके पर जिला सहकारी बैंक के डायरेक्टर जितेन्द्र दीक्षित, श्रीमती विभा तिवारी, महेश समेले, बालचंद राय, महेश सराफ, अशोक अग्रवाल, ब्रजबिहारी गुप्ता, ब्रजपाल सिंह राजावत, धर्मेन्द्र तिवारी,श्रीमती मीनू राजावत ,कमला सोनी, हरीमोहन सोनी,रामसेवक साहू,रामकिशुन पाल,सुभाष गोयन,विजय दुबे,बहिन शिखा,राजेशअतुल कुमार, सोनू,मनोज,मिथुन, केशव,राहुल, हाकिम,प्रमोद ,आशीष, काजुल,रुचि, अंजलि,दीपिका सुनीता,वर्षा,मौजूद रहे।

कार्यक्रम का भारत माता की आरती के साथ समापन किया गया।

भागवत कथा सुनकर भाव विभोर हुए धर्म प्रेमी

मऊरानीपुर। श्रीसद्गुरू आश्रम मऊरानीपुर में श्रावण मास के उपलक्ष में श्रीमद् भागवत महापुराण में आज पंचम दिवस में भगवत आचार्य पंडित बृजेश त्रिपाठी शास्त्री जी ने भागवत कथा सुनाते हुए बताया कि बद्रीनाथ का नाम विशाल नाम के राजा पर विशालपुरी पड़ा। उसी विशाल पुरी में सत्संग की कामना से चार कुमार सनद कुमार भ्रमण कर रहे थे ।खिन्नमना नारद जी को आता देख सनत कुमारों ने पूछा आपकी चिंता का कारण क्या है ।नारद जी कहते हैं मैं सत्संग की कामना से मृत्यु लोक पर गया पर सत्य का संग कराने वाला कोई नहीं मिला। आश्रम परिसर में भारी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे ।आश्रम परिसर में आज भक्त गणों के द्वारा अठ्ठारह हजार पार्थिव शिवलिंग निर्माण किया गया। पंडित राजू महाराज जी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार से शिव परिवार सहित पार्थिव शिवलिंग का रुद्राभिषेक कराया गया। सर्वप्रथम गणेश पूजन करा कर भगवान भोलेनाथ का दही ,दूध, गंगा जल ,पंचामृत ,एवं गन्ने के रस से अभिषेक करा कर कमल के फूलों एवं बेलपत्र से भगवान का भव्य सिंगार किया गया। आश्रम में लता मिश्रा, रघुराज सिंह परमार ,सरला सिंह ,गीता पांडे ,प्रियंका झा, उषा सोनी, रामकुमार ,पुष्पा सरावगी ,नीरज कनकने, रेशु कनकने,मानसी गुप्ता , मीना सेठ, रागिनी गुप्ता, नवीन कनकने, राखी गुप्ता ,नीलम कनकने, जय साहू, लल्लू विश्वारी, रचना साहू ,दीन दयाल कुशवाहा ,सीमा अग्रवाल, मीना कुशवाह, रंजन अग्रवाल, गोविंद बनाया महेंद्र गोस्वामी महेश अग्रवाल ,सुषमा अग्रवाल, विपिन रूसिया गीता रूसिया किशन अग्रवाल ,विद्या अग्रवाल, हेमंत सिवैयां, संतोष डेंगरे, रामप्रसाद बिलैया, मधु नगरिया, प्रमोद नगरिया ,प्रियंका डेंगरे, रोहित मोदी ,ज्योति मोदी ,सविता मोदी ,कुसुम रेजा, कुसुम चौउदा, प्रभा मोदी, इत्यादि भक्तगण भारी संख्या में मौजूद रहे।

बारिश ना होने से क्षेत्र के नदी नाले सूखे पड़े

मऊरानीपुर। क्षेत्र में मानसूनी बारिश कम होने के कारण नदी नाले पोखर बिना पानी के सूखे पड़े हुए हैं। और धसान व उरनदीयों में भी पानी काफी कम मात्रा में बचा है। जबकि आषाढ़, सावन के महीने में छोटी-बड़ी नदियां उफान पर रहती थी। बारिश ना होने से किसानों की खरीफ की फसल खेतों में ही दफन होती जा रही है। छुट्टा अन्ना जानवर पानी पीने की तलाश में दर-दर भटक रहे हैं। ग्राम खिलारा के पास से निकली सिजार नदी एवं ग्राम भंडरा से निकली कुंडार नदी बारिश ना होने के कारण खाली पड़ी हुई है। तथा धसान तथा उरनदी बड़ी है। लेकिन इनमें भी पानी कम बचा है। क्षेत्र के मौसमी बारिश के अभाव में खेत वीरान नजर आ रहे हैं। अन्नदाता किसान क्वार जैसी तन बदन को झुलसा की खेतों में जो बीज बोया है। वह नष्ट ना हो जाए। जिसके चलते क्षेत्र के ग्रामों के किसान अधेड़ बुन में लगे हुए हैं।

मार्शल आर्ट्स, डांस, म्यूजिक, सिंगिंग, योग व खेलों में दिखाया टेलेन्ट

बबीना। इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और यूनिवर्सल वर्ल्ड रिकॉर्ड की तरफ से 20 मई से 31 मई 2022 तक अलग-अलग इवेंट्स जैसे कि मार्शल आर्ट्स, डांस, म्यूजिक, सिंगिंग, योगा और सभी खेलों का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था , जिसमें पूरे भारतवर्ष से 376 लोक पार्टिसिपेट किए थे । प्रशिक्षक संजीव यादव ने बताया कि इस कार्यक्रम में बबीना, झांसी की नेशनल स्पोर्ट्स अकैडमी ऑफ कुंग फू एण्ड मुएथाई से 20 खिलाड़ी अलग-अलग इवेंट्स में पार्टिसिपेट किए थे ।जिन्हें आज इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड और यूनिवर्सल वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की तरफ से सर्टिफिकेट और गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया ।इन्हीं के साथ नेशनल स्पोर्ट्स अकैडमी ऑफ कुंग फू एण्ड मुएथाई एकेडमी को भी कुंगफू, मुएथाई और कलरीपयट्टू मार्शल आर्ट्स की बेहतरीन ट्रेनिंग देने और इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करने पर प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया । इस इवेंट में बबीना से योगा में श्रीमती प्रीति साहू, अनन्या गुप्ता, और मुएथाई इवेंट में पलक साहू और बैडमिंटन इवेंट में कृतिका जैन वहीं कुंग फू इवेंट में कबीर राय, रिद्धि, अर्णव, आदित्य, रितिका, रक्षा, शुभी, शुभ यादव, जुबेर, देव गोयल, नितेश, अथर्व साहू, के साथ एकेडमी की तरफ से राजस्थान से प्रतिभाग करने वाले अनुज और आलोक निलेश शिरके रहे और इन्हीं के साथ भूमि अग्रवाल ने कविता प्रस्तुति इवेंट में प्रतिभाग किए ।

सेहत का मोर्चा

कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया की व्यवस्थाओं के सामने गंभीर चुनौतियां पेश की हैं। उनमें एक बड़ी समस्या स्वास्थ्य के मोर्चे पर भी पैदा हुई है। खासकर विकासशील देशों में, जहां लंबे समय से चली आ रही कुछ बीमारियों को जड़ से समाप्त करने के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं। ये देश पहले ही कुपोषण, जलजनित बीमारियों आदि से पार पाने की कोशिश कर रहे हैं। उसमें कोरोना काल में जब संक्रमण से बचने के लिए बंदी की गई, तब नियमित चिकित्सीय सेवाएं बाधित हो गईं। अस्पतालों में भी तमाम सेवाओं में लगे चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों को कोरोना महामारी से लड़ने के लिए तैनात कर दिया गया। इस तरह कुछ आवश्यक सेवाएं ही चलाई जाती रहीं। ऐसे में पांच साल तक की उम्र के बच्चों को लगने वाले डिप्थीरिया, टिटनेस, काली खांसी, पोलियो आदि के नियमित टीके नहीं लगाए जा सके। संयुक्त राष्ट्र बाल आपात कोष यानी यूनीसेफ ने दुनिया भर के अपने अध्ययन में पाया है कि इस दौरान ढाई करोड़ बच्चों को नियमित टीके नहीं लगाए जा सके। इनमें से ज्यादातर बच्चे भारत, इंडोनेशिया, इथियोपिया, नाइजीरिया और फिलीपीन जैसे विकासशील देशों के हैं। यूनीसेफ ने इसे गंभीर चेतावनी के रूप में जारी किया है।जाहिर है, नियमित लगने वाले टीकों का चक्र टूटने या पूरा न हो पाने से उन बीमारियों के उभरने का खतरा बना रहेगा। किसी भी बीमारी को जड़ से समाप्त करने के लिए उसके विषाणु का चक्र तोड़ना बहुत जरूरी होता है, नहीं तो फिर से भयावह रूप में उसके पांव पसारने का खतरा रहता है। भारत जैसे देश में चेचक और पोलियो जैसी बीमारियों के विषाणु का चक्र तोड़ने में वर्षों लग गए। पोलियो के लिए लंबे समय तक अभियान चलाए रखना पड़ा। मगर काली खांसी, टिटनेस, हेपेटाइटिस आदि पर काबू पाना अब भी चुनौती है। दरअसल, भारत जैसे देश में न तो हर व्यक्ति को पीने का साफ पानी उपलब्ध है, न साफ वातावरण में रहने की जगह और न बहुत सारे लोगों को उचित पोषण मिल पाता है। इसके चलते भुखमरी और कुपोषण यहां सबसे बड़ी समस्या है। हर साल इनके आंकड़े कुछ बढ़े हुए ही दर्ज हो रहे हैं। महिलाओं में रक्ताल्पता का आंकड़ा चिंताजनक स्तर तक पहुंच गया है। ऐसे में शरीर में बीमारियों से लड़ने की क्षमता कमजोर होने से उनके फैलने की आशंका लगातार बनी रहती है। हालांकि केंद्र और राज्य सरकारों ने ऐसी बीमारियों पर काबू पाने के मकसद से कई स्वास्थ्य योजनाएं चला रखी हैं और गांव स्तर पर भी इनसे संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराने को लेकर गंभीरता दिखाई देती है। मगर बचपन में ही रोगों से लड़ने की क्षमता कमजोर हो जाए, तो आगे चल कर व्यक्ति के स्वस्थ रह पाने की संभावना क्षीण ही रहती है। अब कोरोना का प्रकोप काफी कम हो चुका है, जीवन सामान्य गति में लौट रहा है, स्वास्थ्य सेवाओं पर महामारी से लड़ने का दबाव कम है। इसलिए अब टीकों को सुचारु करने के साथ-साथ उन बच्चों पर भी गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है, जो नियमित टीकों से वंचित रह गए या जिनका टीकों का चक्र पूरा नहीं हो पाया। अब तो हर गांव तक स्वास्थ्य कर्मियों की पहुंच है, उन्हें ऐसे बच्चों की पहचान और उन्हें सहायता उपलब्ध कराने में लगाया जा सकता है। मगर इसके साथ ही उन बिंदुओं पर भी गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है, जिसकी वजह से बच्चों को उचित पोषण नहीं मिल पाता।

संपादकीय

तल्खी का मौसम

कभी जिस मानसून के आने के लिये पूजा-अर्चनाएं की जाती थीं और उसके आने पर जन-जन में उत्सव जैसा भाव होता था, वह मानसून अब डराने लगा है। देश के कई राज्यों में बाढ़ के पानी में डूबे तमाम गांव-शहर इस त्रासदी की बानगी दिखा रहे हैं। कहीं बाढ़, कहीं भूस्खलन तो कहीं हिमस्खलन की घटनाएं लोगों को आतंकित कर रही हैं। लगातार होने वाली बादल फटने की घटनाएं चिंता बढ़ाने वाली हैं। हाल में अमरनाथ यात्रा के दौरान घटी त्रासदी ने बड़ी मानवीय क्षति की है। पहाड़ों के दरकने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं तो वहीं आकाशीय बिजली से मरने वालों का आंकड़ा भी लगातार बढ़ा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रकृति का यह रौद्र रूप क्यों सामने आने लगा है? जीवनदायिनी मानसूनी बारिश क्यों जानलेवा साबित हो रही है। क्यों लोग प्रकृति के रौद्र रूप के सामने लाचार नजर आ रहे हैं। वहीं उत्तर भारत के कुछ इलाके ऐसे भी हैं जहां भरपूर बारिश न होने से लोग परेशान हैं। कहीं न कहीं ये हालात हमें चेता रहे हैं कि प्रकृति विरोधी राजनीतिक व आर्थिक फैसलों ने उन कारकों को बढ़ावा दिया है जो ग्लोबल वार्मिंग के कारक बने। इसमें हमारी विलासिता की जीवन शैली भी शामिल है। हमने विकास के जिस मॉडल को चुना है उसमें प्रदूषण उगलते कारखाने, सड़कों पर वाहनों का सैलाब, वातानुकूलन की संस्कृति, जंगलों के कटान व पहाड़ों से निर्मम व्यवहार ने तापमान बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। उसके चलते हमारे मौसम के चक्र में ग्लोबल वार्मिंग का घातक असर नजर आ रहा है। दरअसल, कथित विकास के नाम पर हमने प्रकृति के साथ पिछली कुछ शताब्दियों में जो क्रूरता दिखाई है उसका खमियाजा इस पीढ़ी को भुगतना पड़ रहा है। बढ़ती जनसंख्या ने भी प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव बढ़ाया है। जिसके चलते प्राकृतिक संसाधनों का अवैज्ञानिक तरीके से दोहन बढ़ा है। जिसने जलवायु परिवर्तन के कारकों में वृद्धि ही की है। कुल मिलाकर जल, जंगल व जमीन के साथ क्रूरता बरती गई है। प्रकृति के सहचर बनने के बजाय हमने शासक बनने की कोशिश की है। दरअसल, कुदरत ने धरती के हर व्यक्ति के लिये दाना-पानी की व्यवस्था की है, लेकिन लिप्साओं, विलासिता और स्वच्छंद व्यवहार की अनुमति नहीं दी है। जब-जब इंसान इस लक्ष्मण रेखा को लांघता है प्रकृति उसका प्रतिकार करती है। मौसम का रौद्र उसी प्रतिकार की बानगी मात्र है। यह मनुष्य को चेतावनी भी है कि यह क्रूरता बंद न हुई तो उसकी आने वाली संतानों को इससे ज्यादा भयावह हालात से गुजरना होगा। निस्संदेह प्रकृति के इस तल्ख व्यवहार से हमारी खाद्य श्रृंखला भी खतरे में पड़ सकती है। हाल के दिनों में तेज गर्मी से गेहूं की फसल की गुणवत्ता प्रभावित हुई है।

किसान की सुरक्षा-समृद्धि से जुड़ा एमएसपी का सवाल

न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के मुद्दे पर किसानों को फिर से आंदोलन के रास्ते पर देखना वास्तव में दुखद है। किसानों ने केंद्र सरकार द्वारा एमएसपी की कानूनी गारंटी न दिये जाने के खिलाफ राष्ट्रव्यापी 'विश्वासघात सम्मेलन' और 31 जुलाई को देशभर में 'चक्का जाम' का आह्वान किया है। किसानों के साथ यह रवैया पीड़ादायक है। सरकार के वादे के बाद ही आंदोलनकारी किसान 18 महीने के लम्बे आंदोलन को ख़त्म करने पर सहमत हुए थे, जिसमें सरकार ने एमएसपी को कानूनी गारंटी के लिए एक कमेटी बनाने का लिखित आश्वासन दिया था पर सरकार ने उसे पूरा नहीं किया। यूं तो हर साल सरकार 23 फसलों के लिए एमएसपी घोषित करती है लेकिन सरकारी एजेंसियां केवल लगभग 6 प्रतिशत किसानों से धान और गेहूं तक ही खरीद सीमित रखती हैं। देश के करीब 94 फीसदी किसानों को एमएसपी का फायदा नहीं मिल पाता है। किसानों के हितों पर सरकार का रुख ऐसा है कि पहले 10 मिलियन टन से अधिक गेहूं का अंतर्राष्ट्रीय बाजार में निर्यात करवा दिया व फिर गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। निर्यात से किसानों को फायदा नहीं मिला बल्कि इसे चंद निर्यातकों ने हड़प लिया। गेहूं के निर्यात में हुई इस गड़बड़ी ने हमारे देश की खाद्य सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर दिया है। सरकार ने जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) के गेहूं और चावल आवंटन के अनुपात को भी बदल दिया है। 10 राज्यों के गेहूं आवंटन में भारी कटौती की गई है। निर्यात के कारण केंद्रीय पूल में गेहूं का स्टॉक 2008 के स्तर से भी नीचे चला गया है, जो पिछले 15 वर्षों में सबसे कम है। पीडीएस के 80 करोड़ प्रत्यक्ष लाभार्थियों की ओर देखा जाए तो इस संकट के स्तर का अंदाजा लगता है। रबी सीजन 2021-22 के दौरान केंद्रीय पूल के लिए 43.34 मिलियन टन गेहूं की खरीद की गई थी। मौजूदा सीजन में 50 मिलियन टन खरीद के लक्ष्य के मुकाबले सिर्फ 18.73 मिलियन टन ही खरीद हुई, जो पिछले सीजन की तुलना में 56.7 फीसदी कम है। चंद निर्यातकों के लिए हितकारी गेहूं निर्यात नीति को देखना वास्तव में पीड़ादायक रहा, जिसके चलते स्थानीय अनाज मंडियों में गेहूं की कीमतें 2075 रुपये प्रति क्विंटल की एमएसपी से भी कम हो गईं। जबकि,

अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में गेहूं की कीमतें 3500 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई थीं। मौजूदा खरीफ सीजन में किसानों को मूंग और मक्का का एमएसपी नहीं मिल रहा। अन्नदाता के साथ ये रवैया जायज़ नहीं कहा जा सकता, क्योंकि देश की खाद्य सुरक्षा मिशन की बुनियाद ही किसान हैं। मेरा मानना है कि केंद्र सरकार एमएसपी की कानूनी गारंटी के वादे को पूरा करे और आज से शुरू हुए संसद के मानसून सत्र में विधेयक पेश करे। एमएसपी से कम दर पर कृषि उपज खरीदना कानूनन दंडनीय होना चाहिए। एमएसपी की गणना सी2 फार्मूले के आधार पर और डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिशों के अनुरूप होनी चाहिए। वहीं एमएसपी पर सरकार की ओर से कोई जवाबदेही न होना और भी ज्यादा परेशानी कारक है। दरअसल, किसानों से संबंधित मुद्दों पर सरकार की ज़ुबान में एकरूपता नहीं है। किसानों की आय बढ़ाने वाली प्रमुख योजनाएं औंधे मुंह गिरी हैं। साल 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वादा भी जुमला साबित हो गया है। क्या अब किसानों के लिए तय सारे महान लक्ष्यों को अगले 25 वर्षों में पूरा किया जाएगा, जिसे सरकार 'अमृत काल' कह रही है। किसानों से जुड़े असल मुद्दों को ईमानदारी और पारदर्शिता से हल नहीं करने से 'आबरा का डाबरा' से ज्यादा और कुछ नहीं होगा।किसानों की आमदनी दोगुनी करने पर बनी सरकारी समिति की रिपोर्ट के अनुसार, 2015-16 में किसान परिवार की न्यूनतम आय 8,059 रुपये प्रति माह थी। मुद्रास्फीति को ध्यान में रखते हुए इसे वास्तविक रूप में दोगुना किया जाना था। ऐसे में 2022 तक हर किसान परिवार की आय कम से कम 21,146 रुपये प्रति माह होनी चाहिए थी। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) के आंकड़ों के अनुसार 2018-19 में किसान परिवार की अनुमानित मासिक आय सिर्फ 10,218 रुपये प्रति माह ही थी। इसके उलट, पिछले कुछ वर्षों के दौरान डीजल, खाद, कीटनाशक जैसे कृषि इनपुट की लागत लगभग दोगुनी हो गई। यानी किसान की आमदनी नहीं बल्कि खर्चा दोगुना हो गया है। नीति आयोग के एक सदस्य के हालिया बयानों को देखा जाए तो सरकार एमएसपी की कानूनी गारंटी देने के पक्ष में नहीं लगती है। सरकार को मौजूदा एमएसपी योजना का विस्तार करके उसे और मजबूत करना होगा, साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि एमएसपी व्यवस्था के तहत सभी 23 फसलों पर ज्यादा से ज्यादा किसानों को एमएसपी का फायदा मिले। किसानों को इसलिए एमएसपी की कानूनी गारंटी की मांग करनी पड़ रही है क्योंकि एमएसपी के प्रति सरकारों की प्रतिबद्धता का अभाव है। यही कारण है कि किसानों की मांग जायज है और उसे हर वर्ग का समर्थन हासिल है। 2004 में गेहूं का एमएसपी 580 रुपये प्रति क्विंटल था जो 2014 तक बढ़कर 1,310 रुपये पहुंच गया, ये सालाना 12.2 प्रतिशत औसत वृद्धि थी। जबकि भाजपा सरकार के आठ साल में गेहूं की एमएसपी में औसतन 5.5 प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी हुई। वहीं यूपीए के 2004 से 2014 के कार्यकाल में धान के एमएसपी में 14 प्रतिशत की वृद्धि मौजूदा केंद्र सरकार के कार्यकाल में औसतन 6 प्रतिशत पर अटक गई। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि 'बाकी सब कुछ इंतजार कर सकता है, लेकिन कृषि नहीं' । उनकी दूरदृष्टि, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के नारे 'जय जवान, जय किसान' से मिली प्रेरणा, डॉ. रामधन सिंह, एमएस स्वामीनाथन, डॉ. वर्गीज कुरियन जैसे कृषि वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत और हमारे किसानों व खेत मजदूरों के अथक परिश्रम ने भुखमरी और अनाज की कमी झेल रहे देश को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाया। मौजूदा कृषि संकट को हम भली-भांति समझते हैं। किसानों की आय बढ़ाने, गरीबी मिटाने और किसानों-खेत मजदूरों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए मानवीय और संवेदनशील दृष्टिकोण के साथ कृषि संकट को हल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कृषि केवल एक व्यवसाय या आर्थिक गतिविधि नहीं है बल्कि देश की बड़ी आबादी के लिए जीवन जीने की एक पारंपरिक पद्धति है। यह खेत और फसलों से कहीं अधिक है। यह किसान परिवार की विरासत भी है और उनका भविष्य भी है। मेरा मानना है कि कृषि सुधार और नीतियां किसानों की सहमति से और किसान पर ही केंद्रित होनी चाहिए। कृषि उत्पाद खरीदने के लिए उपभोक्ता जितना भुगतान कर रहा है उसका कम से कम 50 प्रतिशत किसान को मिले, यह जरूरी है। इस मुद्दे को विस्तार से देखने के लिए इसके व्यापक अध्ययन की भी जरूरत है। किसानों को संकट में डालने वाले मुद्दों के समाधान के लिए देश को नीतियों पर व्यापक पुनर्विचार करने की आवश्यकता है।

मानसून सत्र में मद्दे, 24 विधेयक होंगे पेश

संसद का मानसून सत्र आज से शुरू हो रहा है, जो आगामी 12 अगस्त तक चलेगा। मानसून सत्र में केंद्र सरकार 24 विधेयक पेश करने वाली है। इसमें वन संरक्षण संशोधन विधेयक, ऊर्जा संरक्षण संशोधन विधेयक, परिवार अदालत संशोधन विधेयक, राष्ट्रीय रेल परिवहन संस्थान को गतिशक्ति विश्वविद्यालय में परिवर्तित करने संबंधी विधेयक शामिल हैं। इसके अलावा, सरकार चार ऐसे विधेयक भी पेश करेगी, जिस पर संसद की स्थायी समितियों ने विचार किया है। जबकि विपक्ष की योजना है कि सरकार को जवाबदेह बनाया जाए और मुद्दों पर बहस हो। पिछले कुछ सत्रों से देखा जा रहा है कि विपक्ष के हंगामे के कारण सरकार बिना बहस के विधेयकों को पारित करवा लेती है। संसद की कार्यवाही स्थगित होने से सरकार को ही फायदा मिलता है। इस मानसून सत्र में कई ऐसे मुद्दे हैं, जिन्हें विपक्ष संसद में उठाना चाहेगा, जिनमें खाद्य पदार्थों की महंगाई, ईंधन की कीमतों में वृद्धि, अग्निपथ योजना, चीन के साथ गतिरोध का मुद्दा, पहली बार देश में डिजिटल मीडिया को विनियमित करने के लिए लाए जाने वाले नए कानून आदि शामिल होंगे। पिछले बजट

सत्र के दौरान लोकसभा में 129 फीसदी और राज्यसभा में 98 फीसदी कामकाज हुआ था। लेकिन मानसून सत्र से ठीक पहले देश के प्रधान न्यायाधीश ने चिंता जताई है कि विपक्ष की जगह सिमट रही है। यह किसी भी संसदीय लोकतंत्र के लिए अच्छी खबर नहीं है। पिछले दिनों जो घटनाएं हुई हैं, उनसे दो चीजें पता चलती हैं। वैसे तो भाजपा का रवैया पहले से ही आक्रामक रहा है, लेकिन हालिया घटनाओं से स्पष्ट है कि वह विपक्ष के प्रति और आक्रामक हो गई है। जबकि विपक्ष और भी कमजोर होता जा रहा है तथा उसकी जगह लगातार सिकुड़ती जा रही है। इसलिए लगता है कि संसद का यह सत्र हंगामेदार रहने वाला है। इसी सत्र में राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव भी होंगे, जिनमें भाजपा हावी रहेगी। संसद सत्र के पहले दिन ही राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान होगा और यह लगभग पक्का है कि द्रौपदी मुर्मू अच्छे मतों के साथ राष्ट्रपति चुनी जाएंगी। एक आदिवासी महिला का देश के राष्ट्रपति पद के लिए चुना जाना बहुत बड़ी उपलब्धि है। हमें यह नहीं मालूम कि इससे आदिवासियों की जिंदगी में कितना फर्क आएगा, लेकिन उनके मन में यह भावना पैदा हो सकती है कि मैं भी देश के सबसे शीर्ष पद को हासिल कर सकता या कर सकती हूं। भाजपा ने सोची-समझी रणनीति के तहत राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना। हिंदी भाषी प्रदेश और पश्चिमी भारत भाजपा के गढ़ हैं। हिंदी पट्टी और पश्चिमी भारत में जो सात-आठ राज्य आते हैं, वहां आदिवासियों की बड़ी संख्या है। भाजपा को लगता है कि पिछले दस वर्षों में उसके खिलाफ जो थोड़े-बहुत सत्ता-विरोधी रुझान पैदा हुए होंगे, उसकी भरपाई आदिवासी मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने से हो जाएगी।

थोड़ा कष्ट उठाकर भी तो बांटिये सुख

भारतीय दर्शन जीवन के क्षणभंगुर होने की बात सदियों से करता आया है। आखिर जीवन क्या है? सिर्फ जन्म और मृत्यु के बीच का एक फासला ही तो है। दुनिया में अमरत्व किसी को नहीं मिला है। देवाताओं को भी धरा से अपने लक्षित काम पूरे करके इंद्रलोक को लौटना पड़ा है। तो ऐसे में इंसान की क्या बिसात! जीवन तमाम तरह की आशंकाओं और क्षणभंगुरताओं का समुच्चय है। जीवन की प्रत्याशा को लेकर कुछ नहीं कहा जा सकता। लेकिन एक बात तय है दुनिया उसी को याद करती है जो समाज के लिये त्याग करके जाता है। अपने लिये जीने और धन संपदा जुटाने वाले व्यक्ति को उसकी संतानें भी कुछ पीढ़ियों के बाद भूल जाती हैं। लेकिन सेवा के संकल्प वाले व्यक्ति सदियों तक याद किये जाते हैं। एक चौंकाने वाला आंकड़ा पिछले दिनों सामने आया जिसने हर किसी संवेदनशील व्यक्ति को विचलित किया। वह आंकड़ा यह कि हर रोज रात को सोने वाले हजारों लोग अगली सुबह का सूरज नहीं देख पाते। कितना क्षणिक व क्षणभंगुर है जीवन? फिर भी हम संकीर्णताओं में फंसे जोड़ने में लगे रहते हैं। कोशिश होती है कि सात पीढ़ियों के लिये सुख-सुविधाओं का जुगाड़ कर जायें।

ब्रिटेन में भारतीय मूल के चर्चित अरबपति लक्ष्मी नारायण मित्तल कहते हैं कि पैसे का मतलब महज सौ-हजार तक ही होता है उसके बाद तो यह संपदा केवल अंकों की गिनती है। निस्संदेह, पैसा तो वही उपयोगी है जिसका आप उपभोग कर पाते हैं। यदि आप खरबपति हैं और उच्च रक्तचाप, हृदयरोग व मधुमेह जैसी बीमारियों से ग्रस्त हैं तो आप न तो नमक खा पायेंगे और न मीठा। हर लजीज व्यंजन खाने के बाद हृदय रोग का डर सताएगा। इस बात को दुनियाभर के अरबपतियों ने भी महसूस किया है। दुनिया के चोटी के धन्नासेठों मसलन अमेरिका के बिल गेट्स व बफेट तक ने अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा समाज के गरीब तबके के कल्याण के लिये दिया है। भारत में अजीम प्रेमजी अपनी आय में से बड़ी धनराशि सामाजिक उत्थान व शिक्षा के संवर्धन में खर्च करते हैं। पिछले दिनों भारत के नये धन कुबेर गौतम शांतिलाल अडानी ने अपने साठवें जन्मदिन पर शिक्षा व अन्य सामाजिक कार्यों के लिये साठ हजार करोड़ देने की बात कही थी। निस्संदेह, उनकी आय के मुकाबले दिया जाने वाला धन उनके लिये ज्यादा नहीं है लेकिन लाखों लोगों की जिंदगियां इससे बदल सकती हैं, उनके जीवन में खुशियां आ सकती हैं।

मानसून भारत के अस्तित्व की धुरी

मानसून के आते ही देश के जो हिस्से पानी के लिए व्याकुल थे, पानी-पानी हो गए। जल संकट के लिए सबसे परेशान मध्य भारत में जैसे ही प्रकृति ने अपना आशीष बरसाया और ताल-तलैया, नदी-नाले उफन कर धरा को अमृतमय करने लगे, तो इसे तबाही, बर्बादी, विनाश कहा जाने लगा। पानी को ले कर हमारी सोच प्रारंभ से ही त्रुटिपूर्ण है। हमें बताया गया कि नदी, नहर, तालाब, झील आदि पानी के स्रोत हैं। हकीकत में हमारे यहां पानी का स्रोत केवल मानूसन ही है, नदी-दरिया तो पानी को सहेजने के स्थान मात्र हैं। यह धरती पानी के कारण ही जीवों से आबाद है, पर पानी के आगम मानसून की हम कदर नहीं करते। उसकी नियामत को सहेजने के स्थान हमने खुद उजाड़ दिए। गंगा-यमुना के उद्गम स्थल से छोटी नदियों के गांव-कस्बे तक बस यही हल्ला है कि बरसात ने खेत-गांव सब कुछ उजाड़ दिया। पर यह भी सच है कि मानसून के विदा होते ही उन सभी इलाकों में पानी के लिए मारा-मारी होगी। यह देखने की जरूरत है कि मानसून में जल का विस्तार हमारी जमीन पर हुआ है या हमने ही जल

विस्तार की नैसर्गिक परिधि पर कब्जा जमा लिया है। इस देश के लोकजीवन, अर्थव्यवस्था और पर्व-त्योहार का मूल आधार बरसात या मानसून का मिजाज ही है। मानसून भारत के अस्तित्व की धुरी है। जो शहर-महानगर पूरे साल वायु प्रदूषण से हलकान रहते हैं, इसी मौसम में वहां के लोगों को सांस लेने को साफ हवा मिलती है। खेती-हरियाली और साल भर के जल का प्रबंध इसी बरसात पर निर्भर है। इसके बावजूद जब प्रकृति अपना आशीष इन बूंदों के रूप में देती है, तो इसे खलनायक के रूप में देखा जाता है। इसका कारण यह है कि हमारे यहां मानसून को सम्मान देने की परंपरा खत्म होती जा रही है। इसका कारण है, तेजी से शहरों की ओर हो रहा पलायन और गांवों का शहरीकरण। विडंबना यह है कि हम अपनी जरूरतों का कुछ लीटर पानी घटाने को तो राजी हैं, पर मानसून से मिले जल को संरक्षित करने के मार्ग में खुद ही रोड़े अटकाते हैं, मानूसन को सहेजने वाली नदियों में पानी सुरक्षित रखने के बजाय रेत निकालने पर ज्यादा ध्यान देते हैं। आज जिन इलाकों में नदी से तबाही पर विलाप हो रहा है, वे सभी इलाके किसी नदी के रास्ते में यह सोचकर बसा लिए गए कि अब तो नदी दूसरे रास्ते बह रही है। राजधानी दिल्ली में ही अक्षरधाम मंदिर से लेकर खेलगांव तक को लें, अदालती दस्तावेजों में खुरपेच कर यमुना के जल ग्रहण क्षेत्र में कॉलोनियां बसा ली गईं। उत्तर प्रदेश में गंगा-यमुना या उनकी सखी-सहेलियों को जहां भी बांधने के प्रयास हुए, वहां जल-प्रलय होता है। गुजरात का उदाहरण सामने है। नर्मदा के बंधने से उसके हर शहर की आधुनिकता पर पानी फिर गया है। हमारी नदियां उथली हैं और कभी अतिक्रमण, कभी सुंदरता, तो कभी रिवर फ्रंट के नाम पर उन्हें संकरा किया गया। नदियों का अतिरिक्त पानी सहेजने वाले तालाब-बावली-कुएं नदारद हैं। फिर पानी सहेजने व उसके बहुद्देश्यीय इस्तेमाल के लिए बनाए गए बांध अरबों की लागत और दशकों के समय के बाद भी थोड़ी-सी बरसात को समेट नहीं पा रहे हैं।

मेष — बाधा, स्वभाव में उद्विघ्नता तथा दुख अवश्य ही बनेगा, ध्यान रखें।

वृष — अवरोध से बचें, कार्यगति मंद रहेगी, क्लेश व अशांति, तनाव अवश्य बनेगा।

मिथुन — शुभ कार्य, भूमि से हानि, कार्य सिद्धी, लॉटरी-सट्टा से हानि की संभावना बनी रहेगी।

कर्क — कार्य और धन अस्त-व्यस्त हो, सतर्कता से कार्य अवश्य ही निपटा लवें।

सिंह — मनोबल उत्साहवर्धक हो, कार्यगति में सुधार होगा तथा चिन्तायें कम होंगी।

कन्या — मान-प्रतिष्ठा के साधन बनें, स्त्री से सुख-शांति अवश्य ही बन जायेगी।

तुला — अग्नि-चोटादि का भय, व्यर्थ भ्रमण, धन का व्यय होगा, रुके कार्य बन जायेंगे।

वृश्चिक — बाधा, आरोप, धन लाभ, यात्रा-कष्ट, गृहकार्य, राजकार्य में रुकावट की स्थिति बनेगी।

धनु — शारीरिक क्लेश व अशांति, मानसिक विभ्रम, क्लेश तथा भय बना रहेगा।

मकर — विवादग्रस्त होने से बचिये, तनाव, क्लेश व मानसिक अशांति रहेगी।

कुंभ — धन-ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी, समय उल्लास से बीतेगा, मनोवृत्ति उत्तम बनी रहेगी।

मीन — कामनायें पूर्ण होंगी, धन लाभ आशानुकूल, सफलता का हर्ष होगा।

डॉ पीएल गौतमाचार्य

ब्रीफ न्यूज

कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने मतगणना स्थल का लिया जायजा

शिवपुरी। नगरीय निकाय निर्वाचन के तहत दूसरे चरण के मतदान में सात नगरीय निकायों में निर्वाचन संपन्न हुए हैं जिसकी मतगणना 20 तारीख को होगी। मतगणना पीजी कॉलेज में की जाएगी। मतगणना स्थल पर तैयारियों का जायजा लेने के लिए कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह पीजी कॉलेज पहुंचे और अधिकारियों के साथ मतगणना की तैयारियां देखी। वहां स्ट्रांग रूम का जायजा लिया और अभ्यर्थियों से चर्चा की। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी मतगणना स्थल पर तैयारियों का जायजा लें और उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारी का निर्वहन करें। भ्रमण के दौरान प्रेक्षक श्री अनूप तिवारी भी मौजूद रहे। स्ट्रांग रूम का जायजा लेने पहुंचे कलेक्टर ने वहां मौजूद अभ्यर्थियों से कहा की ईवीएम को स्ट्रांग रूम में निगरानी में रखा गया है। यहां सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सीसीटीवी कैमरे से 24 घंटे निगरानी की जा रही है। यदि कोई प्रत्याशी अथवा उनके एजेंट भ्रमण करना चाहते हैं तो वह अपना पहचान पत्र बनवा लें।

शिवपुरी में सफाईकर्मी की भर्ती-संविदा पर चौकीदार के पदों पर भी होगा चयन

शिवपुरी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं न्याय सेवा सदन शिवपुरी की साफ-सफाई के लिए अंशकालीन सफाई कर्मी एवं उसकी संपत्ति की देखरेख करने हेतु संविदा आधार पर एक वर्ष के लिये चौकीदार नियुक्त की जाना है। इस भर्ती के तहत अंशकालीन सफाई कर्मी एवं संविदा चौकीदार (कलेक्टर दर पर) के रिक्त पद पर भर्ती की जानी हैं। अभ्यर्थी अपने आवेदन के लिए जिला न्यायालय शिवपुरी के सामने स्थित एडीआर भवन, शिवपुरी संपर्क कर सकते हैं।

मानेगांव में शराब की दुकान का विरोध

जबलपुर । मध्यप्रदेश के जबलपुर स्थित मानेगांव क्षेत्र में शराब दुकान के विरोध में आज स्कूल के छात्र-छात्राओं ने अभिभावकों के साथ मिलकर प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों का कहना था कि शराब की दुकान बंद करे या फिर स्कूल बंद कर दे, क्योंकि शराब दुकान के कारण विद्यार्थियों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। बताया गया है कि बड़ा पत्थर रांझी की दुकान को मानेगांव में शिफ्ट किया गया है, जिसके चलते स्थानीय लोगों ने आबकारी व जिला प्रशासन के अधिकारियों को अवगत कराया था कि यहां पर स्कूल है इसलिए शराब की दुकान खोलने देना उचित नहीं है।

बादल छंटे, सूरज ने दिखाए तेवर, गर्मी-उमस ने बढ़ाई बेचैनी

राजगढ़। मानसून की बेरुखी ने क्षेत्र के लोगों को मानसिक और शारीरिक रूप से त्रस्त कर दिया है। वर्षा नहीं होने के कारण क्षेत्र की जनता जून की तरह गर्मी और उमस से परेशान होने लगी है। रविवार को भीषण गर्मी का अहसास हुआ। बादलों के छंटने से सूरज की तपन बढ़ गई है, जिसने हर किसी को परेशान कर दिया। उमस से बेहाल लोग छांव ढूंढते नजर आए। रविवार को आसमान में वर्षा के बादल तो ठीक सामान्य बादल भी नजर नहीं आए। इसके चलते सूरज का तेज सीधे तौर पर लोगों को परेशान करता रहा। जानकारों का कहना है कि मौसम के मिजाज ऐसे ही रहते हैं तो पानी को लेकर परेशानी आ जाएगी।

चेन लूटने के लिए 90 वर्षीय वृद्धा को धक्का देकर गिराया, हाथ टूटा

इंदौर। सुबह की सैर करने निकली 90 वर्षीय वृद्धा से बाइक सवार दो बदमाशों ने चेन लूट ली। पहले झटके में चेन नहीं टूटने पर बदमाश ने धक्का देकर गिराया और चेन तोड़ ली। वृद्धा को घसीटते हुए भी ले गए। इससे वृद्धा का बायां हाथ टूट गया। डाक्टर ने आपरेशन कर राड डालने की सलाह दी है। वारदात राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र स्थित धनवंतरी नगर में सुबह करीब 8.30 बजे की है। 90 वर्षीय सुमति बक्शी टहलने के लिए निकली थीं। लौटने में वह पूजा के फूल तोड़ने रुक गईं। घर से करीब 15 फीट दूर पहुंची ही थीं कि बाइक पर दो बदमाश आ धमके। पीछे बैठे बदमाश ने वृद्धा की चेन पकड़ ली और झटका देकर तोड़ने का प्रयास किया। बेटे राजेश के मुताबिक चेन में हुक नहीं था इसलिए एक बार में नहीं टूटी। बदमाश ने बाइक पर बैठे-बैठे ही वृद्धा को धक्का देकर गिरा दिया।

सहायक का द्वितीय प्रशिक्षण आज

शिवपुरी। नगरीय निकाय आम निर्वाचन वर्ष 2022 की द्वितीय चरण की मतगणना हेतु गणना पर्यवेक्षक एवं गणना सहायक को द्वितीय प्रशिक्षण 19 जुलाई को प्रातः 11 बजे से दोपहर 01 बजे तक प्रशिक्षण स्थल शासकीय माधवराव सिंधिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शासकीय एलएसपी महाविद्यालय पोहरी, शासकीय उत्कृष्ट उमावि विद्यालय पिछोर, स्कर्ट हार्ड एकेडमी विद्यालय करेरा, शासकीय उमावि बैराड़ एवं मगरोनी में आयोजित किया जाएगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं नोडल अधिकारी प्रशिक्षण उमराव सिंह मरावी ने समस्त कार्यालय प्रमुखों को निर्देश दिए हैं।

सीएसपी ने किया वायरलेस सेट पर काल, पुलिस पहुंची तो मच गई भगदड़

आधी रात को खुली दुकान में लगी थी भीड़, सीएसपी ने भेजी पुलिस

एजेंसी, जबलपुर

ओमती थाना क्षेत्र में आधी रात को करीब ढाई बजे बस स्टेंड में सलाम की दुकान खुली थी। मौक पर भीड़ लगी थी। तभी वहां से रात्रि गस्त अधिकारी सीएसपी गोहलपुर अखिलेश गौर निकले। सीएसपी ने भीड़ व दुकान खुली देखकर तत्काल वायरलेस सेट पर काल किया और पुलिस बल मौके पर भेजकर दुकानदार पर कार्रवाई के निर्देश दिए। जिसके बाद ओमती पुलिस मौके पर पहुंची तो भगदड़ मच गई। बताया जा रहा है कि सलाम की दुकान लगभग रोज रात भर खुली रहती है, इससे पुलिस भी परेशान थी। ओमती पुलिस ने बताया कि शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब ढाई बजे प्रभारी रात्रि गस्त अधिकारी सीएसपी गोहलपुर अखिलेश गौर द्वारा वायरलेस सेट के माध्यम से बस स्टेंड में सलाम की दुकान खुली होने की सूचना दी। जिसके बाद ओमती पुलिस ने सलाम की दुकान में दबिश दी। दुकान मालिक बड़ी ओमती निवासी सलाम अपनी दुकान खोलकर चाय-नाश्ता विक्रय कर रहा था एवं दुकान में काफी भीड़ लगी थी। दुकान मालिक सलाम पुलिस देखकर मौके से भाग गया। दुकान में उसका नौकर मोहित अहिरवार मिला। मोहित ने पूछताछ पर दुकान में नौकर के रूप में काम करना बताया। जबकि दुकान मालिक सलाम द्वारा दुकान में नौकर के रूप में काम कराने के संबंध में थाना में सूचना नहीं दी थी। जिस पर आरोपी मो. सलाम द्वारा जिला दंडाधिकारी के आदेश का उल्लंघन करना पाया गया। साथ ही दुकान को चैक करने पर दुकान में घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग करना पाया गया। जिसके बाद पुलिस ने दुकान के नौकर से दो गैस सिलेंडर, गैस भट्टी, कढ़ाई, जब्त करते कार्रवाई की है। फरार आरोपी मो.सलाम की तलाश की जा रही है।

शराब दुकान को लेकर विरोध प्रदर्शन

रांझी थाना क्षेत्र में मानेगांव देशी शराब दुकान के विरोध में स्कूल के छात्र-छात्राओं ने अभिभावकों के साथ मिलकर प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों का कहना था कि शराब की दुकान बंद करें या फिर स्कूल ही बंद कर दिया जाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा है कि शराब दुकान नहीं हटाई गई तो सोमवार से दुकान के सामने गांधी चौक पर अनशन शुरू किया जाएगा। प्रदर्शन करने वालों ने बताया कि बड़ा पत्थर रांझी की देशी दुकान को मानेगांव में शिफ्ट किया गया है। स्थानीय लोगों ने आबकारी व जिला प्रशासन के अधिकारियों को अवगत कराया था कि यहां पर स्कूल है, इसलिए शराब की दुकान खोलना उचित नहीं है। इसके बाद भी ध्यान नहीं दिया गया। अब स्कूल आने व जाने वाले विद्यार्थियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। प्रदर्शन के दौरान लोगों का शराब दुकान संचालक से विवाद भी हो गया था। जिसकी खबर मिलने पर रांझी पुलिस मौके पर पहुंच गई और उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया। लेकिन लोगों ने साफ कह दिया कि शराब दुकान नहीं हटाई गई तो सोमवार से अनशन शुरू होगा और शराब दुकान हटाए जाने के बाद ही लोग अनशन समाप्त करेंगे।

इंदौर पुलिस कंट्रोल रूम में गोलीकांड

आरोपित एएसआइ से ज्वेलरी जब्त करेगी पुलिस

एजेंसी, इंदौर

इंदौर में टीआइ हाकमसिंह आत्महत्या केस में गिरफ्तार महिला एएसआइ ने ब्लैकमेल कर लाखों की ज्वेलरी और इलेक्ट्रानिक सामान भी खरीना कुबूला है। पुलिस अब वह ज्वेलरी जब्त करने में लगी है जो टीआइ ने उसे खुद के रुपयों से दिलवाई थी। आरोपितों को सोमवार को कोर्ट भी पेश किया जाएगा।

एसीपी अशीष पटेल (अजाक) के मुताबिक हाकमसिंह ने इंदौर के पुलिस कंट्रोल रूम परिसर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में उपायुक्त कार्यालय की विविध शाखा में पदस्थ महिला एएसआइ व हाकमसिंह की कथित पत्नी रेशमा शेख को गिरफ्तार किया गया है। कपड़ा कारोबारी गोविंद जायसवाल अभी तक फरार चल रहा है। एएसआइ ने पूछताछ में बताया कि उसने हाकमसिंह से 10 लाख से ज्यादा का सामान (ज्वेलरी और इलेक्ट्रानिक) लिया था। पुलिस सामान के बिल तलाशने के लिए उसे सिलिकान सिटी स्थित घर भी लेकर गई। एसीपी के मुताबिक रेशमा और एएसआइ को आमने सामने बैठा कर पूछताछ की जा रही है। रेशमा ही उसके बारे में बता रही है कि टीआइ कब कब एएसआइ को रुपये देने जाते थे। यहां तक कि जो सामान रेशमा के लिए खरीदते थे वो एएसआइ को भी देते थे।

एक दूसरे से सामना करवा रहे जांच अधिकारी - रेशमा से टीआइ की गौतमपुरा पोस्टिंग के दौरान दोस्ती हुई थी। उसने बताया कि उससे उज्जैन रोड स्थित एक मंदिर में शादी कर ली थी। वह बायपास की एक टाउनशिप में रहने लगी थी। एएसआइ से तो करीब चार साल पूराने संबंध रहे है। दोनों में संबंध बन गए और वह ब्लैकमेल करने लगी।

अमरनाथ यात्रा: मार्ग पर मलबा, पंचतरणी में फंसे इंदौर के 200 यात्री

एजेंसी, इंदौर

अमरनाथ दर्शन करने गए इंदौर के 200 से ज्यादा लोग यात्रा मार्ग पर फंसे हैं। इन्हीं में 7 जुलाई को रवाना हुआ बोल बम ग्रुप के 113 यात्रियों का जत्था भी है जिसे पंचतरणी में रोक दिया गया। यहां से अमरनाथ गुफा की दूरी करीब 6 किलोमीटर है। यात्रियों ने बताया पिछले दिनों बादल फटने के बाद कई जगह मलबा पड़ा है, जिसे हटाया जा रहा। साथ रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण पूरा मार्ग फिसलन भरा है। खतरे को देख स्थानीय प्रशासन ने आगे जाने की अनुमति नहीं दी। मौसम साफ रहा तो बाबा बर्फानी के दर्शन में एक-दो दिन और लग सकते हैं। हम भी दर्शन करके ही घर लौटेंगे।

परिजन-रिश्तेदारों से मांग रहे मदद

बोल बम ग्रुप के प्रमुख हरीश यादव ने बताया बड़ी संख्या में यात्रियों के फंसे रहने से अब कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा। यहां एक दिन का टेंट का किराया 750 रुपए और जमीन पर सोने का किराया 500 रुपए देना पड़ रहा। ऐसे में रुपए खत्म हो रहे। उन्होंने बताया कई लोग पहली बार आए हैं। इनमें 13 साल के बच्चों से लेकर बुजुर्ग भी हैं, जिनका खास ध्यान रखा जा रहा। यात्रा मार्ग पर पैर कीचड़ में धंस रहे थे। फिसलन का भी डर है। इसलिए यात्रा रोकी गई।

जबलपुर के आसपास के जिलों में भारी बारिश, बालाघाट में एक व्यक्ति नाले में फंसा

जबलपुर के आसपास के जिलों में भारी बारिश की वजह से नदी नाले उफान पर हैं

एजेंसी, जबलपुर

जबलपुर के आसपास के जिलों में भारी बारिश की वजह से नदी नाले उफान पर हैं। बालाघाट में ग्राम उदासीटोला पांढरवानी लालबर्रा के नाले में एक व्यक्ति फंस गया है। मौके में पुलिस विभाग व ग्राम पंचायत लालबर्रा का अमला पहुंच गया

लालबर्रा के बल्हारपुर में बाढ़ से चार मकान गिर गए

बालाघाट जिले की लालबर्रा तहसील में शनिवार की रात 12 बजे से लेकर सुबह पांच बजे तक हुई वर्षा से नदी नाले उफान पर है। बल्हारपुर में बाढ़ की वजह से चार मकान गिर गए। साथ ही लालबर्रा तहसील कार्यालय और बोरी से बरघाट मार्ग पर पड़ने वाला नाला उफान पर है।

पृष्ठ 01 का शेष... पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास ने किया विविध शहरों में कार्यक्रमों का आयोजन संपन्न

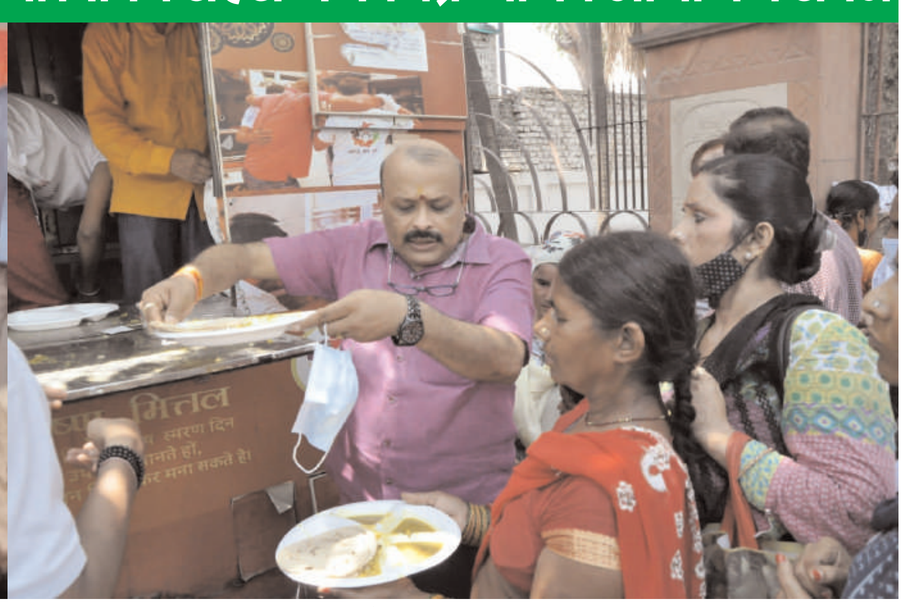

सांस्कृतिक और राष्ट्रवादी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रथम पीढ़ी के कार्यकर्ता रहे और तृतीय वर्ष शिक्षित होकर आजीवन संघ के स्वयंसेवक रहे पं.मिश्र जैसे व्यक्तित्व बिरले ही मिलते हैं। शिक्षक के नाते अनेक संघ शिक्षा वर्गों में शिक्षक बनकर जाते रहे। पं.मिश्र पोस्टमास्टर से जीवन की शुरुआत कर झांसी में संघ के प्रचारक बने। महात्मा गांधी की हत्या के आरोप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध के समय उन्हें छह माह का कारावास हुआ। शिक्षा के प्रति उनकी रूचि का परिणाम था कि उन्होंने अपने चारों पुत्रियों को मास्टर डिग्री तथा बीएड तक शिक्षित करवाया। सभी पुत्रियां शिक्षण कार्य में हैं। वहीं एक पुत्री और पुत्र को डॉक्टर ऑड़ फिलोसोफी कराई।

साधनों की शुचिता व नैतिकता के पक्षधर श्री मिश्र ध्येय के प्रति समर्पित, दृढ़ निश्चयी व कठोर परिश्रमी रहे। जब लोग त्योहारों में प्रसन्नता मनाते, वे अपने कार्य में मौन रूप से लगे रहकर दीन-दुखियों के साथ सेवा में लगे रहते थे। समाज और राष्ट्र के लिए उनमें जो सेवा और समर्पण का भाव था, उससे वे महान साधक के रूप में सदैव स्मरणीय रहेंगे। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा। पर्यावरण से लेकर आध्यात्मिक चेतना के प्रति उनका चिंतन समाज को नई दृष्टि प्रदान करता रहेगा। इन्हीं बातों को चिरस्मरणीय बनाने हेतु सेवा न्यास कार्य कर रहा है। आज उनकी जयंती पर कई स्थानों पर विविध प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

भीमकुंड धाम में स्वस्तिवाचन व वेदपाठ से दी गई श्रद्धांजलि:

पूज्य दद्दा जी जयंती के अवसर पर भीमकुंड धाम में श्री नारायण संस्कृत पाठशाला में वेदपाठियों ने स्वस्तिवाचन किया। बैंडबाजों के साथ श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सुन्दरकाण्ड के पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री स्वामी शंकर्षणाचार्य जी महाराज, नारायण आचार्य जी एवं अनेक शिक्षकों की विशेष उपस्थिति रही। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने दद्दा जी के आध्यात्मिक सांस्कृतिक क्षेत्र में किए गए कार्यों को याद करते हुए उनसे प्रेरणा लेने पर जोर दिया। संस्कृत पाठशाला में पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की प्रेरणा से कार्य होते रहते हैं। लोगों ने इस तरह के आयोजन के लिए पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की प्रशंसा करते हुए न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र के प्रति भी आभार जताया।

धवर्रा खेल परिसर में भजन और वृक्ष वितरण कर किया स्मरण:

18 जुलाई 2022 सोमवार को पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर धवर्रा में अनेक कार्यक्रम संपन्न हुये। जिसमें प्रातः 7-30 बजे से कार्यक्रम का श्री गणेश राम नाम संकीर्तन के साथ प्रारंभ हुआ। इसके पश्चात श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ, जिसमें न्यास के कार्यकर्ता एवं गांव के अनेक सम्माननीय नागरिकों एवं क्षेत्र से पधारे हुए न्यास के सहयोगियों के द्वारा दद्दा जी की आदमकद प्रतिमा पर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए।इस कार्यक्रम में ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में अपनी सहभागिता दी। इसके पश्चात पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के द्वारा पड़ोसी गाँव के किसानों को एवं नौगाँव से आए हुए किसानों को फलदार वृक्षों का वितरण किया गया। सभी किसानों ने यह वचन दिया कि हम इन पेड़ों को लगाने के पश्चात अपने पुत्र की तरह सेवा करके पालेंगे एवं अगली बार इन पेड़ों की प्रगति की फोटो साथ में लेकर के आएंगे।

इसके पश्चात न्यास के द्वारा किसानों को हाइब्रीड किस्म के सब्जी के बीज वितरण किए गए। जिसके हरेक पैकेट में 11 तरह की अलग-अलग प्रजाति लौकी, करेला, कद्दू, खीरा, सेम, तोरई आदि के बीज दिए गए। किसान अपने घर एवं खेतों में इनको लगाकर के अच्छी सब्जियां पैदा कर सकते हैं।समापन के अवसर पर सभी को फलदार पौधे एवं प्रसाद का वितरण किया गया।

इनकी रही उपस्थिति:

आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्रीमती आशा रावत पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की सचिव एवं श्रीमती डॉ. रचना मिश्रा, श्री देवकीनंदन दुबे जी, अनूप मिश्रा, श्रीराम रिछारिया, श्री गणेश शंकर तिवारी, श्री श्रीपत राजपूत, रिंकू राजा, संतोष तिवारी, साहब राजा, प्रवीण दुबे, बृजेश बाजपेई, यादवेंद्र परिहार, पूरन रैकवार, राहुल राजपूत, राहुल दुबे, हैप्पी राजा, देवेंद्र राजपूत, मुकेश राजपूत, राकेश कुशवाहा, भूरे कुशवाहा, नारायण अनुरागी, बबलू पाल , भोले कुशवाहा, देवेंद्र अहिरवार, लखन लाल राजपूत, विनोद रैकवार, अजय राजपूत, मुरली लाल, जय प्रकाश द्विवेदी एवं गढ़ियाँ, घिसलनी, रावतपुरा, बीरपुरा, बंछौरा, खमा, चमरूआ, ददरी, बिलहरी एवं नौगाँव जैसे अनेक स्थान वासियों ने इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दी।

आज के इस कार्यक्रम का उद्देश्य हरा भरा हो गांव अपना, सभी खुशहाल हों, सभी निरोगी रहें, इसके लिए सभी लोग वृक्ष लगाएं- पर्यावरण को स्वच्छ बनाएं।

सतना में सुंदरकांड पाठ एवं वृक्षरोपण कर दद्दाजी को किया याद:

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास कार्यालय नेह निकुंज, बम्हनगवां, रीवा रोड, सतना में न्यास के प्रेरणास्त्रोत एवं वरिष्ठ समाज सेवी पं. गणेश प्रसाद मिश्र (दद्दाजी) की 98 वीं जन्म जयंती पर सर्वप्रथम दीप प्रज्ज्वलन पुष्पांजलि अर्पित करते हुए न्यास कार्यकर्ताओं ने उन्हें नमन किया तथा उनके बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर दद्दाजी के जीवन को चिरस्मरणीय बनाए रखने के लिए सेवा न्यास कार्यालय में सुंदरकांड पाठ का आयोजन भी किया गया, जिसमें दूर-दूर से श्रद्धालुओं व भक्त जनों ने सुंदरकांड व भजन मडली में सम्मिलित होकर गायन करते हुए सुंदरकांड पाठ किया गया। तदुपरांत वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण अभियान के लिए वृक्ष भी प्रदान किये गये। श्रद्धालु भक्तजनों व कार्यकर्ताओं को वृक्ष वितरण करते हुए वृक्षों की सेवा करने का संकल्प लेते हुए पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देते हुए 5 वर्षों तक वृक्षों की सेवा करने का भी संकल्प लिया। इस अवसर पर कहा गया कि हम अपने घर के आस-पास अपने घरों में पौधा रोपण करते हुए उसकी सेवा करेंगे।

कार्यक्रम में न्यास के वरिष्ठ कार्यकर्ता कृष्णा पांडे, मनीषा सिंह, राजीव व्यास, अजय मिश्रा, अभिनव रंजन त्रिपाठी, महेंद्र तिवारी, अर्जुन तिवारी, उपेंद्र तिवारी, पदमधर द्विवेदी, जय प्रताप गुप्ता, विजय दुबे, करुणेश अनुरागी, अनिल सैनी, लवकुश बघेल, राकेश प्रताप, नीलम गुप्ता, संगीता सैनी, तरुणा तिवारी, रश्मि सैनी, माधवी विश्वकर्मा, शीलम सैनी, रमेश कुमार शर्मा, संजय अग्रवाल, राजेश त्रिपाठी, नीलू एवं न्यास कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नई दिल्ली में मरीजों के बीच हुआ भोजन वितरण:

आज पं. गणेश प्रसाद मिश्र दद्दा जी की 98 वीं जयंती पर देश की राजधानी स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में मरीजों के बीच भोजन का वितरण किया गया। 'नर सेवा ही नारायण सेवा' के अपने सूत्रवाक्य को चरितार्थ करते हुए न्यास ने मरीजों को भोजन देकर दद्दा जी के बताए मार्ग को साकार किया है। श्री विष्णु मित्तल प्रदेश कोषाध्यक्ष भाजपा दिल्ली, राकेश वर्मा, डॉ. एच.जी हेमल (बाल कैंसर विशेषज्ञ) डॉ. राकेश मिश्र, अध्यक्ष पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास सहित अनेक लोग उपस्थित थे। आओ साथ चलें के कार्यकर्ता उपस्थित होकर पांच सौ मरीजों को भरपेट भोजन वितरित किए व पुण्य लाभ प्राप्त किये।

ब्रीफ न्यूज

ग्रीन सी टर्टल की मौत प्लास्टिक पॉल्युशन की वजह से

लंदन । ग्रीन सी टर्टल की मौत प्लास्टिक पॉल्युशन की वजह से होने के बारे में जब पता चला तो विशेषज्ञ चिंतित हो उठे। बीते रोज भूमध्यसागर के एक बीच के किनारे ग्रीन सी टर्टल मरा हुआ पाया गया। इस ग्रीन सी टर्टल की मौत प्लास्टिक पॉल्युशन की वजह से हुई थी। अडाना सिटी से करीब 430 मील दूर कराटास बीच पर इस टर्टल को मरा हुआ पाया गया है। ये टर्टल बॉटल के ढक्कनों, प्लास्टिक बैग्स के टुकड़ों और माइक्रोप्लास्टिक्स से ढँका हुआ था। माइक्रोप्लास्टिक्स से मतलब 5 एमएम व्यास से छोटे पार्टिकल्स से है जो फूड और ड्रिंक पैकेज और फिशिंग नेट्स वगैरह से निकलते हैं। यहाँ चारों तरफ बहुत छोटे आकार के प्लास्टिक्स बिखरे पड़े थे। दरअसल ये टर्टल जेलीफिश और क्रस्टैशिन्स समझकर प्लास्टिक के टुकड़े खा लेते हैं। इसी वजह से इन समुद्री जीवों की बड़ी संख्या में मौत हो रही है। सीबर्ड्स की तरह टर्टल प्लास्टिक को पूरी तरह निगल नहीं पाते और उनके गट्स ब्लॉक हो जाते हैं।

मंकीपॉक्स का प्रकोप आपातकाल की श्रेणी में आता है या नहीं

21 को विशेषज्ञ मंकीपॉक्स समिति की बैठक में होगा फैसला

जिनेवा । क्या मंकीपॉक्स का प्रकोप वैश्विक आपातकाल की श्रेणी में आता है या नहीं। आगामी 21 जुलाई को होने वाली विशेषज्ञ मंकीपॉक्स समिति की बैठक में इसका फैसला होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि मंकीपॉक्स पर डब्ल्यूएचओ की आपातकालीन समिति की यह दूसरी बैठक होगी जिसमें 63 देशों में अब तक आये 9,200 मामलों की जानकारी दी जाएगी। मई की शुरुआत से पश्चिम और मध्य अफ्रीकी देशों के बाहर मंकीपॉक्स के संक्रमण में वृद्धि दर्ज की गई है, जहां यह बीमारी बार-बार सामने आती रहती है। इससे पहले 23 जून को हुई मीटिंग में भी डब्ल्यूएचओ द्वारा इस बात पर चर्चा की गई थी कि क्या यह बिमारी पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न की श्रेणी में आती है। हालांकि, अधिकतर सदस्यों ने डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेड्रोस एडनॉम घेब्येयियस को सलाह दी कि अभी स्थिति इतनी भी बेकाबू नहीं हुई है।

इस साल के अंत तक लाल सागर के तिरान द्वीप से वापस चले जाएंगे अमेरिकी सैनिक

रियाद । अमेरिका ने ऐलान किया है कि इस साल के अंत में रणनीतिक तौर पर अहम लाल सागर के तिरान द्वीप से अमेरिकी सैनिक वापस चले जाएंगे। अमेरिका ने शांति दल के तौर पर अपने सैनिक यहां पर तैनात किए हैं। माना जा रहा है कि इससे आने वाले दिनों में इजरायल और खाड़ी के इस अहम देश के बीच आपसी संपर्क के मौके बढ़ सकेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की तरफ से इस पर एक बयान जारी किया गया है।

उन्होंने बयान में कहा है कि कई माह की शांत और लगातार कूटनीतिक प्रयासों का शुक्रिया कि हम एक समझौते पर पहुंच गए हैं, जिसमें तिरान के लाल सागर द्वीप पर अंतरराष्ट्रीय शांति सैनिकों को रवाना किया जाएगा। इस इलाके को एक ऐसे इलाके में तब्दील किया जाएगा जो शांतिपूर्ण पर्यटन और आर्थिक विकास का केंद्र होगा। इजिप्ट ने लाल सागर के दो छोटे द्वीपों तिरान और सानाफिर को साल 2016 में सऊदी अरब को दे दिया था। ये अभी तक ऐसे ही पड़े हैं और इनकी रणनीतिक अहमियत बहुत ज्यादा है। इनके सीमाई क्षेत्र को अभी इजरायल की तरफ से पहचाना जाना है और इसके बाद ही इनका हक स्थानांतरित किया जा सकेगा। यहां से शांतिदलों को हटाने का फैसला इसलिए लिया गया है ताकि यहां की स्थिति को सुलझाया जा सके। यह जगह बहुत ही उलझी हुई है। जिस जगह ये द्वीप हैं उनका इतिहास बहुत ही पेचीदा रहा है। जब यहां से शांति दल रवाना हो जाएंगे तो इजरायल और सऊदी अरब के बीच आपसी भरोसे का निर्माण हो सकेगा।

यूनान में यूक्रेन की कंपनी के एंटोनियो एन 12 कार्गो जहाज का पड़ा हुआ मलबा।

शराब के सेवन से युवाओं में भी बढ़ जाता है स्वास्थ्य का जोखिम

एजेंसी, वाशिंगटन

युवाओं को ज्यादा उम्र वाले लोगों की तुलना में शराब के सेवन से अधिक स्वास्थ्य जोखिम का सामना करना पड़ता है। प्रमुख शोध पत्रिका में शुक्रवार को प्रकाशित एक वैश्विक अध्ययन में यह बात कही गई है। भौगोलिक क्षेत्र, आयु, लिंग और वर्ष के आधार पर शराब से जुड़े जोखिम के बारे में यह पहला अध्ययन है।

अध्ययन में कहा गया है कि दुनिया भर में शराब की खपत की सिफारिशें उम्र और स्थान पर आधारित होनी चाहिए, जिसमें सबसे सख्त दिशानिर्देश 15-39 साल के आयु वर्ग के पुरुषों के लिए लक्षित हों। अध्ययन में कहा गया है कि इस उम्र समूह में शराब के सेवन से स्वास्थ्य का जोखिम बढ़ जाता है। अध्ययन से यह भी पता चलता है कि अगर कोई गंभीर बीमारी नहीं हो तो 40 वर्ष और उससे अधिक उम्र के वयस्कों को कम मात्रा में शराब के सेवन से कुछ लाभ मिल सकता है। ऐसे में इस समूह को हृदय रोग, हृदयाघात और मधुमेह का जोखिम कम होता है। शोधकर्ताओं ने 204 देशों में शराब के सेवन के अनुमानों के आधार पर गणना की कि 2020 में 1.34 अरब लोगों ने हानिकारक मात्रा में इसका सेवन किया। शोधकर्ताओं ने कहा कि हर क्षेत्र में, असुरक्षित मात्रा में शराब पीने वाली आबादी का सबसे बड़ा वर्ग 15-39 साल के आयु वर्ग के पुरुष थे और इस आयु वर्ग के लोगों को शराब पीने से स्वास्थ्य लाभ नहीं होता।

रूस-यूक्रेन जंग | दोनों पर रूस का साथ देने के आरोप लगे थे

जेलेंस्की ने यूक्रेन के सिक्योरिटी चीफ और प्रासीक्यूटर जनरल को बर्खास्त किया

एजेंसी, कीव/मॉस्को

24 फरवरी से रूस और यूक्रेन के बीच शुरू हुई जंग 5 महीने से जारी है, लेकिन इसका अभी अंत या इस पर कोई समाधान होता नजर नहीं आ रहा है। इसी बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने खुफिया और सुरक्षा एजेंसी के प्रमुख और अभियोजक जनरल को निकाल दिया है। जेलेंस्की ने कहा- सुरक्षा प्रमुख इवान बाकानोव और अभियोजक जनरल इरीना वेनेडिक्टोवा को बर्खास्त कर दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों ही अधिकारियों के रूस का साथ देने के मामले सामने आए थे। कार्यालय और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के कर्मचारियों की देशद्रोह और रूस का साथ देने के संबंध में अब तक 651 आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं।

अब तक 353 यूक्रेनी बच्चों की मौत

रूस लगातार यूक्रेन पर मिसाइल हमले कर रहा है। इससे अब तक यूक्रेन में 353 बच्चों की मौत हो चुकी है। वहीं 662 बच्चे घायल हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों का कहना है कि सबसे अधिक 353 बच्चों की मौत डोनेट्स्क क्षेत्र में हुई है। खार्किव में 191, कीव में 116 और खेरसॉन में 52 बच्चों की मौत हुई।

यूक्रेनी सेना ने रूस के 38 हजार से ज्यादा सैनिक मार गिराए

वहीं, यूक्रेन भी रूस की कार्रवाई का मुंहतोड़ जवाब दे रहा है। पिछले 24 घंटे में यूक्रेन ने रूस के 160 से अधिक सैनिकों को मार गिराया। 17 जुलाई तक यूक्रेन ने रूस के करीब 38,300 सैनिकों को ढेर किया है। यूक्रेन सशस्त्र बलों ने दुश्मन के 1,684 टैंक, 3,879 बख्तरबंद लड़ाकू वाहन, 846 आर्टिलरी सिस्टम, 248 एंटी-एयरक्राफ्ट गन, 110 एयर डिफेंस सिस्टम को नष्ट कर दिया। साथ ही 220 युद्धक विमान, 188 हेलीकॉप्टर, 688 यूएवी, 166 क्रूज मिसाइल, 15 युद्धपोत/कटर, 2,746 ट्रक-टैंकर नष्ट कर दिए।

ग्रीस में यूक्रेन का विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ

यूक्रेन की मेरिडियन एयरलाइन ने ग्रीस में अपने An-12 विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की पुष्टि की। इस हादसे में सभी 8 क्रू मेंबर्स की मौत हो गई है। यूनानी मीडिया ने कहा, विमान में 12 टन खतरनाक सामग्री ले जाई जा रही थी, जिसमें से ज्यादातर विस्फोटक थीं। दुर्घटना के बाद इलाके में तेज गंध फैल गई। एहतिहातन लोगों को अपने घरों की खिड़कियां बंद रखने, घर से बाहर न निकलने और मास्क पहनने को कहा गया है।

रूस में 100 से ज्यादा नए कानून पास

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 100 से ज्यादा नए कानून पास किए हैं। इनमें से कई कानूनों को यूक्रेन में चल रही जंग से जोड़कर देखा जा रहा है। रूस ने पास हुए कानूनों में एक कानून के मुताबिक अब रूसी अधिकारियों को किसी संदिग्ध शख्स को विदेशी एजेंट मान सकती है। इसके लिए उस शख्स के पास से विदेशी फंडिंग मिलनी जरूरी नहीं है। उस शख्स को 20 साल तक की जेल हो सकती है।

श्रीलंका में फिर इमरजेंसी | 4 महीने में चौथी बार आपातकाल लगा

कार्यवाहक राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने घोषणा की

एजेंसी, कोलंबो

गंभीर आर्थिक और राजनीतिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका में । 4 महीने में चौथी बार इमरजेंसी लगा दी गई है। कार्यवाहक राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने आपातकाल की स्थिति की घोषणा की। उन्होंने देश के हालात को देखते हुए ये कदम उठाया है। कंगाल हो चुके श्रीलंका में पहली बार राजपक्षे सरकार ने 1 अप्रैल को आपातकाल लगाया था। 5 अप्रैल को आपातकाल हटा दिया गया था। 6 मई को 20 मई तक दोबारा आपातकाल भी लगाया गया।

20 जुलाई को होगा राष्ट्रपति चुनाव

225 सदस्यीय संसद में 20 जुलाई को राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। रानिल विक्रमसिंघे, साजिथ प्रेमदासा, अनुरा कुमारा दिसानायके और दुलास अल्हाप्परुमा ने नॉमिनेशन भरा है। 44 साल बाद सीक्रेट वोटिंग के जरिए राष्ट्रपति चुना जाएगा। बता दें कि 1978 के बाद पहली बार देश में जनादेश के माध्यम से नहीं, बल्कि राष्ट्रपति का चुनाव सांसदों के सीक्रेट वोट के माध्यम से होगा। आर्थिक संकट से गुजर रहे हालातों को देखते हुए और जन विद्रोह को रोकने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

श्रीलंका में क्यों बिगड़े हालात

1948 में आजादी के बाद से श्रीलंका सबसे गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। यहां विदेशी मुद्रा भंडार लगभग खाली हो चुका है। देश जरूरी चीजों का आयात नहीं कर पा रहा है। रोजमर्रा की जरूरत के सामानों के दाम आसमान पर हैं, खाने-पीने के सामान का संकट और ईंधन भी आसानी से नहीं मिल रहा। इन सबके चलते श्रीलंका के आम लोग सड़कों पर उतरे और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। हाल ही में वर्ल्ड फूड प्रोग्राम ने बताया कि श्रीलंका में 60 लाख लोगों पर खाद्य संकट मंडरा रहा है।

90 साल की भारतीय वृद्धा रावलपिंडी में अपना पुश्तैनी घर देखने जाएंगी

लाहौर । भारत की एक 90 साल की वृद्ध महिला पाकिस्तान के रावलपिंडी में अपने पुश्तैनी घर का दौरा करने के लिए शनिवार को जब वाघा-अटारी सीमा के रास्ते लाहौर में दाखिल हुई तो उसकी आंखों में खुशी के आंसू आ गए। रीना छिब्बर वर्मा लाहौर से सीधे रावलपिंडी रवाना हुईं, जहां वह अपने पुश्तैनी आवास 'प्रेम निवास' और स्कूल का दौरा करने के साथ ही बचपन के दोस्तों से मिलेंगी। सोशल मीडिया पर अपलोड किए गए वीडियो में रीना ने बताया कि जब भारत और पाकिस्तान का बंटवारा हुआ था, तब उनका परिवार रावलपिंडी के देवी कॉलेज रोड पर रहता था। उन्होंने कहा, मैं मॉडर्न स्कूल में पढ़ती थी। मेरे चार भाई-बहनों ने भी उसी स्कूल से शिक्षा हासिल की थी। वहीं, मेरे एक भाई और एक बहन ने मॉडर्न स्कूल के पास स्थित गॉर्डन कॉलेज से पढ़ाई की थी।

वर्मा ने कहा, मेरे बड़े भाई-बहनों के कई मुस्लिम दोस्त हुआ करते थे, जो अक्सर हमारे घर आते थे।

ट्रेन से चांद और मंगल पर जाने की तैयारी

दूसरे ग्रहों तक ट्रेन चलाएगा जापान, चांद-मंगल पर मिलेगी धरती जैसी सुविधाएं

एजेंसी, जापान

जापान चांद और मंगल पर पृथ्वी जैसी रहने लायक पर्यावरण बनाने जा रहा है। इसके साथ ही पृथ्वी, चांद और मंगल को जोड़ने के लिए अंतर-ग्रहीय ट्रेनें भी चलाने वाला है। यह सुनने में अजीब लग रहा है, लेकिन यह सच है। इस प्रोजेक्ट के लिए जापान की क्योटो यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने काजिमा कंस्ट्रक्शन कंपनी के साथ गठबंधन किया है। टीम ने जीरो और लो ग्रेविटी वातावरण में मानव मस्कुलोस्केलेटल सिस्टम के कमजोर होने से रोकने के लिए पृथ्वी जैसी सुविधा वाली ग्लास आवास संरचना विकसित करने के लिए इस योजना की घोषणा की। ग्लास में भी पृथ्वी जैसा पर्यावरण और ग्रेविटेशनल फोर्स होगा। इससे अंतरिक्ष में रहना आसान हो जाएगा। इस योजना के तहत ग्लास और अंतर-ग्रहीय ट्रेनों का प्रोटोटाइप बनाने में लगभग 30 साल लग जाएंगे।

चांद और मंगल पर भी होगी पृथ्वी जैसी सुविधाएं

क्योटो यूनिवर्सिटी और काजिमा कंस्ट्रक्शन कंपनी ने मिलकर एक अंतरिक्ष में रहने योग्य संरचना बनाने का लक्ष्य रखा है। इस कोनिकल संरचना का नाम 'ग्लास' है। ग्लास के अंदर बनावटी ग्रेविटेशन, ट्रांसपोर्ट सिस्टम, पेड़-पौधे और पानी भी उपलब्ध होगी। पृथ्वी पर मौजूद सभी सुविधाओं को अंतरिक्ष में बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस संरचना को चांद पर 'लूनाग्लास' और मंगल पर 'मार्सग्लास' कहा जाएगा।

अमेरिकी अरबपति मार्क क्यूबन अब तक नहीं भूले कि बिल गेट्स ने चुरा ली थीं उनकी गर्लफ्रेंड्स

कैलिफोर्निया । अमेरिकी अरबपति मार्क क्यूबन ने बताया है युवावस्था में मशहूर कारोबारी बिल गेट्स ने उनकी फीमेल फ्रेंड्स के साथ दोस्ती करके उन्हें, उनसे दूर कर दिया था। 63 साल के मार्क इस समय दुनिया के जाने-पहचाने चेहरे हैं। वे शार्क टैंक के इनवेस्टर हैं और इस शो के साथ वह सुपरहिट हो चुके हैं। मार्क ने जो किस्सा सुनाया है वह सन् 1980 के दशक का है। उस दौर में लास वेगास में कुछ ऐसा हुथा, जिसे वह आज तक भुला नहीं पाए। मार्क ने बताया सन 1986 में कंप्यूटर ट्रेड शो कॉमडेक्स के दौरान यह घटना हुई थी। उस समय बिल की कंपनी माइक्रोसॉफ्ट पहली बार सार्वजनिक हुई थी। मार्क ने कहा इसके बाद ही बिल गेट्स किंग ऑफ टेक बन गए। मार्क क्यूबन के मुताबिक उस समय उनकी उम्र करीब 26-27 साल रही होगी। उन्होंने बताया एक वह अपनी गर्लफ्रेंड के लिए शराब खरीद रहे थे और तभी गर्लफ्रेंड्स ने कहा कि उन्हें वॉशरूम जाना है। वे वॉशरूम गईं लेकिन फिर वापस नहीं लौटीं। उनके अचानक इस तरह से गायब होने से वह परेशान हो गए। इसी समय किसी ने उन्हें बताया कि बिल गेट्स उन लड़कियों के साथ वहां से बाहर निकल गए हैं। क्यूबन ने शिकायती लहजे में कहा कि बिल गेट्स ने मेरी गर्लफ्रेंड्स चुरा ली थीं।

अमेरिका के मॉल में गोलीबारी | 3 लोगों की मौत, 2 घायल

आर्म्ड सिविलियन ने हमलावर पर फायरिंग कर उसे मार गिराया

एजेंसी, इंडियानापोलिस

अमेरिका के इंडियाना प्रांत में एक मॉल में गोलीबारी हुई है। इस घटना में 3 लोगों की मौत हो गई है। 2 लोग घायल हैं। एक आर्म्ड सिविलियन ने हमलावर को मार गिराया है। फिलहाल फायरिंग की वजह के बारे में पता नहीं चल सका है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना ग्रीनवुड पार्क मॉल की है। ग्रीनवुड पुलिस विभाग के चीफ जिम इसोन ने कहा- एक अज्ञात आदमी मॉल के फूड कोर्ट में घुसा। उसने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद एक मॉल में मौजूद एक अन्य नागरिक ने हमलावर पर गोली चला दी।

संदिग्ध बैग भी मिला

इसोन ने कहा- मॉल इंडियानापोलिस से लगभग 16 किलोमीटर दूर है। यहां 130 से ज्यादा इनडोर और आउटडोर रेस्तरां और दुकानें हैं। गोलीबारी की इस घटना में कुल 4 लोगों की मौत हुई है। 2 लोग घायल हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

आर्म्ड सिविलियन के पास थी हैंडगन

इसोन ने कहा- प्राइमरी इनवेस्टिगेशन से पता चला है कि जिस व्यक्ति ने हमलावर पर गोली चलाई उसके पास हैंडगन थी। इंडियाना में हैंडगन रखने पर कुछ प्रतिबंध हैं। क्रिमिनल बैकग्राउंड और 18 साल से कम उम्र के लोग हैंडगन नहीं रख सकते हैं। हम जांच कर रहे हैं कि हमलावर पर फायरिंग करने वाले की उम्र कितनी थी और उसका क्या बैकग्राउंड है। इसके पहले 5 जुलाई को इंडियाना में हॉलिडे पार्टी के दौरान फायरिंग हुई थी। इसमें 10 लोगों को गोली लगी थी, जिसमें से 3 की मौत हो गई थी। वहीं, 4 जुलाई को शिकागो में फ्रीडम डे परेड के दौरान फायरिंग हुई थी, जिसमें 7 लोग मारे गए थे।

सिंगापुर पहुंचने पर गोटबाया राजपक्षे का विरोध, कुछ लोगों ने किया मौन प्रदर्शन

सिंगापुर । श्रीलंका राष्ट्रपति पद से बेदखल किए गए गोटबाया राजपक्षे के पिछले गुरुवार को यहां पहुंचने पर सिंगापुर के कुछ लोगों ने मौन प्रदर्शन किया। गोटबाया के गुरुवार को सिंगापुर पहुंचने के तुरंत बाद पुलिस ने संभावित प्रदर्शनकारियों को कानून तोड़ने के परिणामों को लेकर आगाह किया। पुलिस ने कहा कि जनता, सिंगापुर के नागरिक, निवासी, वर्क पास धारक और सामाजिक आगंतुक समान रूप से स्थानीय कानूनों का पालन करें। खबरों में पुलिस का हवाला देते हुए कहा, 'सार्वजनिक सभा, जो अवैध है उसमें भाग लेने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।' बनाई गई चेंज डॉट ओआरजी नामक याचिका में व्यवसायी रेमंड एनजी ने लिखा कि 'सिंगापुर गणराज्य के प्रति निष्ठा' के चलते उन्होंने, धन शोधन के आरोप में राजपक्षे के खिलाफ सिंगापुर में एक पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई है। शनिवार तक, 2,000 से अधिक लोगों ने याचिका पर हस्ताक्षर किए हैं, हालांकि यह ज्ञात नहीं है कि इनमें से कितने विशिष्ट थे या सिंगापुर से थे। सिंगापुर के फैसले पर नाराजगी जाहिर करने के लिए कई श्रीलंकाई लोग ट्विटर पर सिंगापुर सरकार के ट्विटर अकाउंट को टैग भी कर रहे हैं।

पाक कबायली परिषद 'जिरगा' ने महिलाओं के पर्यटन-

मनोरंजन स्थलों पर जाने से लगाई पाबंदी

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान महिलाओं की आजादी को लेकर संकीर्ण सोच रखता है अब यहां एक कबायली परिषद 'जिरगा' ने महिलाओं के पर्यटन और मनोरंजन के वास्ते सार्वजनिक स्थानों पर जाने से रोक लगा दी है और इसे 'अनैतिक' और इस्लामी सिद्धांतों के खिलाफ बताया है। खबर के अनुसार बाजौर कबायली जिले में अति-रूढ़िवादी सालारजई तहसील की जिरगा (कबायली परिषद) ने शनिवार को घोषणा की कि यदि सरकार ने रविवार तक इस निर्णय को लागू नहीं किया तो जिरगा सदस्य इसे लागू करने के लिए इसे अपने हाथ में लेंगे। जिरगा का आयोजन जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) की स्थानीय इकाई द्वारा किया गया था, जो सत्तारूढ़ गठबंधन के मुख्य घटकों में से एक है। यह कदम ऐसे समय सामने आया है, जब विश्व आर्थिक मंच ने कुछ ही दिन पहले जारी अपनी वार्षिक लैंगिक अंतराल रिपोर्ट में पाकिस्तान को दुनिया के साथ-साथ क्षेत्र में लैंगिक समानता के मामले में दूसरे सबसे खराब देश का स्थान दिया था।

इस बैठक में सालारजई तहसील के विभिन्न कबायलियों के वरिष्ठों के अलावा, क्षेत्र के कई जेयूआई-एफ नेताओं और धार्मिक हस्तियों ने हिस्सा लिया। इसका आयोजन जेयूआई-एफ जिला नेतृत्व द्वारा किया गया था। जेयूआई-एफ के जिला प्रमुख मौलाना अब्दुर रशीद और अन्य वक्ताओं ने शनिवार को सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिरगा का उद्देश्य ईद के दौरान उभरे कई मुद्दों पर चर्चा करना और उन्हें शांतिपूर्वक और सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करना था।

जिरगा में शामिल वक्ताओं ने कहा कि यह गौर किया गया है कि पुरुषों के अलावा, कई स्थानीय महिलाएं अपने पति या अन्य रिश्तेदारों के साथ अथवा अकेले ही ईद की छुट्टियों के दौरान विभिन्न पर्यटन एवं पिकनिक स्थलों का दौरा करती हैं। जिरगा में दावा किया गया कि यह 'इस्लामी सिद्धांतों पर आधारित' स्थानीय रीति-रिवाजों और परंपराओं के खिलाफ है। वक्ताओं ने कहा कि पर्यटन और मनोरंजन के लिए उक्त स्थानों पर महिलाओं का जाना 'पूरी तरह से अनैतिक और अस्वीकार्य' है।

राष्ट्रपतीय निर्वाचन 2022: मध्य प्रदेश विधानसभा में 230 विधायकों ने किया मतदान

भोपाल। राष्ट्रपतीय निर्वाचन, 2022 के लिए विधानसभा भोपाल में मतदान कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के बीच शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। सबसे पहला मत विधानसभा में विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मतपेटी में डाला । 230 सदस्यीय मध्य प्रदेश विधानसभा के पात्र सभी सदस्यों ने मतदान में भाग लिया।

राष्ट्रपति चुनाव के लिए आज सुबह 10ः00 बजे से मतदान आरंभ हुआ। इस चुनाव के लिए विधानसभा भवन के समिति कक्ष क्रमांक - 2 को मतदान केंद्र बनाया गया है।

राष्ट्रपति निर्वाचन के लिए मतदान आरंभ होने के पहले घंटे तक 60, दूसरे घंटे तक 196 एवं तीसरे घंटे तक 230 विधायकों मतदान किया। अंतिम मत अपराह्न 3.25 बजे विधायक प्रताप ग्रेवाल ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। मध्य प्रदेश में इस चुनाव के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक सत्येंद्र सिंह, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजेश कौल, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी प्रमोद शुक्ला व अन्य अधिकारी भी मतदान के दौरान उपस्थित रहे । इसके साथ ही राष्टपति पद के उम्मीदवारों के प्रतिनिधि, भारतीय जनता पार्टी की तरफ से यशपाल सिंह सिसोदिया, शैलेंद्र जैन तथा भारतीय राष्टीय कांग्रेस पार्टी की तरफ से बाला बच्चन एवं पी सी शर्मा मौजूद रहे ।

राष्ट्रपति चुनाव के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सहायक निर्वाचन अधिकारी और राज्य विधानसभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह पूरे सुरक्षा इंतजाम के साथ सीलबंद मतपेटी लेकर आज नियमित उड़ान से नई दिल्ली जाएंगे, जहां संसद भवन में 21 जुलाई को मतगणना होगी।

संक्षिप्त समाचार

मतगणना के लिए सुबह 8.30 बजे खोला जाएगा स्ट्रांग रूम

कटनी। नगरीय निकाय आम निर्वाचन के अन्तर्गत नगर पालिक निगम कटनी के महापौर एवं पार्षद पद की मतगणना का कार्य 20 जुलाई को प्रातः 9 बजे से ईवीएम मशीन के माध्यम से मतगणना का कार्य किया जाना है। सहायक रिटर्निंग आफिसर एवं अपर कलेक्टर द्वारा भाजपा, इंका, सपा, आप पार्टी, बसपा, निर्दलीय दल के महापौर एवं पार्षद पद के अभ्यर्थियों को मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम अनुसार नियत तिथि व समय प्रातः 8:30 बजे से स्ट्रांग रूम खोले जाने के समय मतगणना स्थल एवं ई.व्ही.एम. स्ट्रांग रूम स्थल पर उपस्थित होने के लिए पत्र जारी किया है।

मतगणना सामग्री उपलब्ध कराने कर्मचारियों की लगाई गई ड्यूटी

कटनी। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नगरीय निकाय निर्वाचन के अंतर्गत नगर पालिक निगम कटनी के महापौर एवं पार्षद के मतदान उपरान्त मतगणना का कार्य 20 जुलाई को प्रातः 9 बजे से मतगणना स्थल कृषि उपज मंडी पहरूआ कटनी में किया जाना है। सहायक रिटर्निंग आफिसर एवं अपर कलेक्टर द्वारा मतगणना कार्य में उपयोग में आने वाली आवश्यक लेखन सामग्री एवं अन्य सामग्री मतगणना दल को टेबिल पर उपलब्ध करानें हेतु कर्मचारियों को दायित्व सौंपे गए है। जारी अदेशानुसार मण्डी स्थल पर सामग्री की व्यवस्था रखना एवं प्रदाय हेतु श्री पाण्डेय को प्रदाय करने हेतु देवेन्द्र विश्वकर्मा सहायक ग्रेड -2 स्थानीय निर्वाचन कार्यालय तथा टेबिलों पर सामग्री कम होने पर प्राप्त कर प्रदाय करने हेतु मुकेश पाण्डेय सहायक ग्रेड-3 जल संसाधन विभाग व शत्रुघन यादव भृत्य को दायित्व सौपें जाकर मतगणना कार्य 20 जुलाई को प्रातः 8 बजे से मतगणना स्थल कृषि उपज मण्डी पहरूआ कटनी मे उपस्थित रहकर सहायक रिटर्निंग आफिसर के निर्देशानुसार कार्य संपादित करनें के निर्देश प्रदान किये गए है।

मतगणना स्थल में मोबाइल का उपयोग प्रतिबंधित

कटनी। नगरीय निकाय आम निर्वाचन के अन्तर्गत नगर पालिक निगम कटनी के महापौर एवं पार्षद पद की मतगणना का कार्य 20 जुलाई को मशीन के माध्यम से मतगणना का कार्य किया जाना है। उक्त कार्य में लगे हुए अधिकारी एवं कर्मचारियों को मतगणना टेबिल प्रांगण के अन्दर मोबाईल का ले जाना एवं मोबाईल का उपयोग करना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। सहायक रिटर्निंग आफिसर एवं अपर कलेक्टर द्वारा मतगणना कार्य मे आवश्यक सुरक्षा प्रदान किये जाने हेतु पुलिस अधीक्षक जिला कटनी को पत्र प्रेषित कर आवश्यक पुलिस बल एवं मेटल डिटेक्टर लगाये जानें की मांग की है।

मतगणना प्रपत्र तैयार करने की जवाबदारी संभालेंगे जिला प्रबंधक

कटनी। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नगरीय निकाय निर्वाचन के अंतर्गत नगर पालिक निगम कटनी के महापौर एवं पार्षद के मतदान उपरान्त मतगणना का कार्य 20 जुलाई को मतगणना स्थल कृषि उपज मंडी पहरूआ कटनी में किया जाना है। सहायक रिटर्निंग आफिसर एवं अपर कलेक्टर द्वारा मतगणना कार्य मे कम्प्यूटर संबंधी समस्त जानकारी ऑनलाईन एवं ऑफलाईन तैयार कर जिला निर्वाचन अधिकारीस्थानीय निर्वाचन शाखा कटनी को भेजने हेतु सौरभ नामदेव जिला प्रबंधक, ई- गवर्नेंस कटनी को अधिकृत किया गया है।

मप्र बोर्ड के कक्षा 5वीं और 8वीं की परीक्षा एक हफ्ते के लिए टली

मप्र बोर्ड 5वीं व 8वीं की पुनः परीक्षा स्थगित अब 25 जुलाई से शुरू होंगी

भोपाल। मप्र बोर्ड के कक्षा 5वीं और 8वीं के विद्यार्थियों की पुनः परीक्षा सोमवार 18 जुलाई से शुरू होने वाली थी, जिसे एक हफ्ते के लिए टाल दिया गया है। अब यह परीक्षा 25 जुलाई से शुरू होगी। दोनों परीक्षाओं का समय दोपहर 12 बजे से 2.30 बजे तक ही रहेगा। इस संबंध में दो दिन पहले राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा सभी जिलों से परीक्षा के आयोजन को लेकर फीडबैक मांगा गया था। सभी जिलों से फीडबैक आया कि चुनाव संबंधी कार्य में अधिकारी और कर्मचारी के शामिल होने के कारण 18 जुलाई से शुरू होने वाली परीक्षा को स्थगित कर दिया जाए। वहीं कुछ जिलों के स्कूलों में वर्षा का पानी भरने के कारण भी परीक्षा की तारीख आगे बढ़ाने की बात कही गई।

राजधानी के भी सरकारी स्कूलों में भी पानी भरने की शिकायत मिली। इसके बाद इन परीक्षाओं को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया। ऐनवक्त पर परीक्षाएं टलने से स्कूलों में बच्चों को संदेश भेजकर आने से मना किया जा रहा है। बता दें कि इस परीक्षा में पिछले सत्र के ऐसे विद्यार्थी शामिल होंगे, जो वार्षिक परीक्षा में फेल हो गए थे। अगर इस परीक्षा में भी विद्यार्थी फेल होंगे तो उन्हें उसी कक्षा में पढना होगा। प्रदेश से करीब तीन लाख विद्यार्थी शामिल होंगे। इसके अलावा पहली परीक्षा में अनुपस्थित दिव्यांग विद्यार्थियों को भी शामिल किया जा रहा है। बता दें, कि सत्र 2021-22 की 5वीं और 8वीं की वार्षिक परीक्षा में करीब 17 लाख विद्यार्थी शामिल हुए थे। इसमें से करीब 4 लाख परीक्षार्थी 33 प्रतिशत अंक नहीं ला पाए थे। राज्य शिक्षा केंद्र की ओर से प्रदेश भर में करीब एक हजार परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

विकासखंड स्तर पर होगा मूल्यांकन

राज्य शिक्षा केंद्र की ओर से जारी दिशा-निर्देश में इस बात का भी उल्लेख किया गया है कि पांचवीं व आठवीं की पुनः परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए प्रत्येक विकासखंड स्तर पर एक ही मूल्यांकन केंद्र बनाया जाएगा। बीआरसीसी मूल्यांकन के लिए संस्था का चयन कर सभी परीक्षा केंद्रों की मूल्यांकन केंद्र से मैपिंग करेंगे।

ईंटखेड़ी स्थित सरकारी स्कूल में वर्षा का पानी भरा

बैरसिया रोड पर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ईंटखेड़ी परिसर के अंदर वर्षा का पानी घुसने से शिक्षण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। स्कूल के अंदर सभी कक्षाओं में पानी भर गया है। बच्चों के स्कूल पहुंचने पर उनकी छुट्टी कर दी गई है। इस स्कूल में पहली से बारहवीं तक की कक्षाएं संचालित होती है।

बेहतर ट्रैफिक, बेहतर भोपाल

जिंसी धर्म कांटा से सुभाष नगर अण्डर ब्रिज तक रोड़ होगा बंद

भोपाल। भोपाल मेट्रो रेल परियोजना का निर्माण कार्य के अंतर्गत सुभाष नगर रेल्वे अंडर ब्रिज के पास स्लॉटर हाउस की तरफ बीच रोड़ पर पिलर का निर्माण कार्य किया जाना है, इस हेतु जिंसी धर्म कांटा से सुभाष नगर अण्डर ब्रिज तक रोड़ बंद करना आवश्यक है। जिसकी सूचना निर्माण कंपनी द्वारा यातायात पुलिस को दी गई हैं। सुरक्षित यातायात के दृष्टिकोण से निर्माण कार्य के दौरान दिनांक 19.07.2022 से 30.08.2022 तक यातायात डायवर्सन प्लान निम्नानुसार रहेगा। जिंसी धर्म कांटा से सुभाष रेल्वे अण्डर ब्रिज तक सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन पूर्णतः बंद रहेगा। भारत टॉकीज एवं लिली टॉकीज से मैदा मिल की ओर जाने वाले वाहन बोगदा पुल, प्रभात चैराहा, सुभाष नगर ओव्हर ब्रिज होकर मैदा मिल की ओर आवागमन कर सकेंगे। मैदा मिल से भारत टॉकीज एवं लिली टॉकीज की ओर जाने वाले वाहन सुभाष नगर ओव्हर ब्रिज का उपयोग कर प्रभात चैराहा, बोगदा पुल होकर भारत टॉकीज एवं लिली टॉकीज की ओर आवागमन कर सकेंगे। हल्के वाहन- मैदा मिल से प्रभात चैराहा एवं बोगदा पुल की ओर आवागमन करने के लिए सुभाष रेल्वे अण्डर ब्रिज का उपयोग कर आवागमन कर सकेंगे। आम जनता से अनुरोध है कि यातायात के नियमों का पालन करें एवं परिवर्तित मार्ग का उपयोग कर यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें तथा किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर यातायात हेल्पलाईन फोन नंबर- 0755-2677340, 2443850 पर सम्पर्क करें।

दसवी कक्षा की छात्रा से एक साल छोटे रिश्तेदार नाबालिग ने किया दुष्कर्म

भोपाल। राजधानी के बागसेवनिया इलाके मे दसवी कक्षा मे पढने वाली किशोरी के साथ उसके दूर के रिश्तेदार नाबालिग द्वारा दुष्कर्म किये जाने का मामला सामने आया है। आरोपी नाबालिग किशोरी से एक साल छोटा है, जो आये दिन उसके घर आता रहता था। बीते दिन छात्रा को अकेला पाकर उसने धमकाते हुए उसके साथ दुष्कर्म कर डाला। पुलिस ने बलात्कार का मामला कायम कर आरोपी किशोर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार इलाके मे रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी दसवी कक्षा की छात्रा है। उसकी एक छोटी बहन है, उसकी मां घरों में साफ-सफाई का काम करने जाती है। बीते दिन छूटटी होने के कारण छात्रा घर पर ही थी, वही उसकी मॉ काम पर गई थी, ओर छोटी बहन घर के बाहर खेल रही थी। दोपहर के समय बरखेडा पठानी मे रहने वाला किशोरी का दूर का रिश्तेदार नाबालिग उससे मिलने उसके घर पहुचां था। पुलिस ने बताया कि दुर का रिश्तेदार होने के कारण दोनों की आपस मे खासी पहचान थी, ओर आरोपी नाबालिग आये दिन उससे मिलने आता रहता था। घर के अंदर आने पर जब आरोपी को छात्रा अकेली नजर आई तो उसकी नियत खराब हो गई ओर उसने उसके साथ अशलील छेडछाड करनी शुरु कर दी। जब छात्रा ने उसका विरोध किया तो आरोपी ने उसे धमकाते हुए दुष्कर्म कर डाला। उसी समय किशोरी की छोटी बहन घर मे आई, उसने आरोपी की करतूत देख ली। बाद मे मां के आने पर छोटी बहन ने उन्हे सारी बात बता दी। बाद मे छात्रा की मॉ उसे लेकर थाने पहुचीं ओर शिकायत दर्ज कराई। नाबालिग आरोपी के खिलाफ बलात्कार और पॉक्सो की धाराओं मे मामला कायम कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

अशोका गार्डन जैन मंदिर में चातुर्मास कलश स्थापना

भोपाल। परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के परम प्रभावकशिष्य परम पूज्य मुनि श्री 108 मार्दव सागर जी का चातुर्मास कलश स्थापना का आयोजन भक्तिमय माहौल में अशोका गार्डन जैन मंदिर प्रांगण में सम्पन्न हुआ। गुरु वंदना करने आए अनेक शहरों से श्रद्धालु भाव आयोजन के साक्षी बने। श्रद्धा और भक्ति का अभूतपूर्व संगम के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ भव्य चतुर्मास कलश स्थापना दाताराम मंगलाचरण श्रीमती आशिका जैन के द्वारा शुरू हुआ। मंगलाचरण के पश्चात आचार्य भगवन विद्यासागर जी महाराज का चित्र अनावरण करने का अवसर बहार से पधारे पानी गांव से एवं कमेटी के पदाधिकारियों को प्राप्त हुआ। चित्र अनावरण के पश्चात परिसर जय जय गुरुदेव के जयकारों से गूंजायमान हो गया।

मतगणना स्थल का कलेक्टर व एसपी ने किया निरीक्षण

वाहन पार्किंग की कराएं पर्याप्त व्यवस्था, अनाधिकृत व्यक्तियों का न हो प्रवेश: कलेक्टर

कटनी । नगरीय निकाय निर्वाचन 2022 के द्वितीय चरण की मतगणना का कार्य 20 जुलाई को होगा। द्वितीय चरण में जिले के नगर निगम कटनी व नगर परिषद बरही की मतगणना का कार्य होगा। सोमवार को जिला निर्वाचन अधिकारी व कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार जैन व अधिकारियों के साथ कृषि उपज मंडी परिसर स्थित मतगणना स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं और आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने पैदल पूरे परिसर का निरीक्षण किया और सुरक्षा को लेकर जगह-जगह बेरीकेटिंग कराने, पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था कराने के साथ ही मतगणना के दौरान परिसर में अनाधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश न हो, इसको लेकर जारी पास के आधार पर ही प्रवेश देने के निर्देश प्रदान किए।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने मंडी गेट से लेकर मतगणना स्थल तक का निरीक्षण किया और मतगणना के लिए बनाई गई व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक निर्देश प्रदान किए। उन्होंने स्ट्रांग रूम से मतगणना स्थल तक ईवीएम लाने, ले जाने सहित टेबिलों की व्यवस्थाओं के संबंध में भी जानकारी ली। कलेक्टर श्री मिश्रा व पुलिस अधीक्षक ने स्ट्रांग रूम का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ने बारिश होने की स्थिति में स्ट्रांग रूम से मतगणना स्थल तक ईवीएम के सुरक्षित परिवहन के मद्देनजर बारिश के पानी से बचाव की वैकल्पिक व्यवस्था व तैयारी करने की भी हिदायत दी। बताया गया कि 20 जुलाई को मतगणना सुबह 9 जबे से शुरू होगी। इसके पहले सुबह 8.30 बजे सभी प्रत्याशियों, राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों और निर्वाचन प्रेक्षक की मौजूदगी में स्ट्रांग रूम खोला जाएगा। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान मीडिया सेंटर में भी सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान अपर कलेक्टर रोमानुस टोप्पो, उप जिला निर्वाचन अधिकारी साधना परस्ते, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज केडिया, नगर निगम आयुक्त सतेन्द्र धाकरे, एसडीएम प्रिया चंद्रावत, कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी हरि सिंह ठाकुर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ईवीएम मशीन की तकनीकी खराबी के सुधार के लिए नियुक्त किए गए इंजीनियर्स

कटनी। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नगरीय निकाय निर्वाचन के अंतर्गत नगर पालिक निगम कटनी के महापौर एवं पार्षद के मतदान उपरान्त मतगणना का कार्य 20 जुलाई को प्रातः 9 बजे से मतगणना स्थल कृषि उपज मंडी पहरूआ कटनी में किया जाना है।

सहायक रिटर्निंग आफीसर ने आदेश जारी कर मतगणना कार्य में ई.व्ही.एम. मशीन में तकनीकी खराबी को तत्काल सुधार हेतु आलोक पटेल,उपयंत्री ग्रा.यां सेवा कटनी को अधिकृत किया जाकर इनके साथ ई.सी.आई.एल. इंजीनियर कटनी रूब्बा शांति कुमार एवं बंद्रे आलम पदस्थापना ई.सी.आई.एल. हैदराबाद व भरत चौकसे सहायक ग्रेड-3 ग्रामीण यांत्रिकी सेवा कटनी की ड्यूटी लगाई गई है। श्री पटेल उपयंत्री, ग्रा.यां.सेवा कटनी को मतगणना स्थल कृषि उपज मंडी में 20 जुलाई को प्रातः 8 बजे से उपस्थित रहकर ई.सी.आई.एल.के इंजीनियर के साथ मिलकर ई.व्ही.एम मशीन मे तकनीकी खराबी की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल सुधार कराने एवं ई.व्ही.एम. की अतिरिक्त बैटरी चालू स्थिति में आवश्यकतानुसार जिला निर्वाचन कार्यालय कटनी से प्राप्त कर मतगणना स्थल पर रखने के आदेश दिए हैं।

भोपाल। शहर के नजदीक रातीबढ़ इलाके में पति से विवाद के बाद में गुस्से मे आकर जहरीला पर्दाथ खाने वाली पत्नि की निजी अस्पताल मे उपचार के दौरान मौत हो गई।

थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम मैंडोरी मे रहने वाली 23 वर्षीय विवाहिता शिवानी (23) गृहणी थी।

नर्सिंग कालेज की छात्राओं ने उप प्राचार्य के खिलाफ खोला मोर्चा, धरने पर बैठीं

छात्राओं का आरोप, उप प्राचार्य कहती हैं की मोटी लड़कियों के होते हैं ब्वाय फ्रेंड

भोपाल । सिर्फ मोटी लड़कियों के ही ब्याय फ्रेंड होते हैं, इसलिए अच्छा खाना-पीना खाओ। ब्वाय फ्रेंड से बोलो अच्छे से खिलाए-पिलाए। तुम्हारा ब्वाय फ्रेंड है या नहीं। इस तरह की बातें करने का आरोप जीएमसी के नर्सिंग कालेज की उप प्राचार्य रजनी नायर पर छात्राओं ने लगाए हैं। छात्राओं ने उन्हें हटाने के लिए मोर्चा खोल दिया है। एनएसयूआइ के बैनर तले सोमवार सुबह 10 बजे से अधिष्ठाता कार्यालय के सामने करीब 200 छात्राएं धरने पर बैठ गईं। करीब 130 छात्राओं ने सीएम हेल्पलाइन में भी इस मामले की शिकायत की है। रजनी नायर नर्सिंग कालेज में पहले ट्यूटर थीं। महीने भर पहले उप प्राचार्य सुजाता को हटाकर उन्हें यहां पदस्थ किया गया है। छात्राओं का कहना है कि ट्यूटर के रूप में कक्षाओं में भी वह कई बार व्यक्तिगत बातों को लेकर दिप्पणी करती थीं, लेकिन यह बातें सिर्फ एक कक्षा तक सीमित रहती थीं, इसलिए मामला दबा रह गया। कई बार पढ़ाते समय यह भी बोलती थीं कि ठीक से नहीं पढ़ पा रही हो तो बड़े तालाब में जाकर डूब मरो। उप प्राचार्य बनने के बाद बीएससी नर्सिंग की प्रथम वर्ष से लेकर अंतिम वर्ष तक छात्राओं पर वह इसी तरह की टिप्पणी करने लगीं। शारीरिक बनावट के बारे में कई बार वह टिप्पणी करती हैं। छात्रओं का आरोप है कि वह कई बार जातिगत बातें भी करती हैं। ऐसे में उन्हें हटाना जरूरी है। छात्राओं ने यह बताया कि माता-पिता को बुलाकर वह कहती हैं कि आपकी बेटी यहां पर अय्याशी करने के लिए आई है। इससे माता-पिता भी गुस्सा करते हैं। एनएसयूआई की छात्र इकाई के प्रदेश समन्वयक रवि परमार ने बताया कि लंबे सयम से रजनी नायर छात्रओं से दुर्व्यवहार कर रही हैं, लेकिन डर के चलते छात्राओं ने कहीं शिकायत नहीं की थी। उधर, डीन ने प्रदर्शन कर रही छात्राओं से कहा है कि मामले की जांच करा रहे हैं।

भोपाल में हार का ठीकरा दिग्विजय पर फोड़ने की तैयारी

विभा पटेल पर बढ़ेगा महिला मोर्चा अध्यक्ष से इस्तीफा देने का दबाव

भोपाल । नगर निगम भोपाल में कांग्रेस प्रत्याशी विभा पटेल की हार का ठीकरा पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के सिर फोड़ा जा रहा है। क्योंकि 16 नगर निगमों में से भोपाल महापौर का टिकट ही दिग्विजय सिंह की पसंद का था। इतना ही नहीं प्रत्याशियों को जिताने के लिए दिग्विजय सिंह ने वार्ड स्तर पर प्रचार किया। इस हार के बाद कांग्रेस में ही सवाल उठना शुरू हो गए हैं कि 'क्या दिग्विजय सिंह अब भोपाल की राजनीति छोड़ेंगे'। तीन साल पहले दिग्विजय सिंह खुद भोपाल सांसद का चुनाव बड़े अंतर से हारे थे। उनकी समर्थक महापौर प्रत्याशी विभा पटेल भी बड़े अंतर से हार गई हैं। कांग्रेस में जिस तरह से ग्वालियर की जीत को नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह, छिंदवाड़ा की जीत को कमलनाथ और जबलपुर की जीत को तन्खा की जीत बताया जा रहा है। उसी तरह कांग्रेस के भीतर ही भोपाल की हार को दिग्विजय सिंह की हार माना जा रहा है। कांग्रेस की भोपाल महापौर की हार दिग्विजय सिंह और विभा पटेल के राजनीतिक जीवन को काफी प्रभावित करने वाली है। संभवतः विभा पटेल का यह आखिरी चुनाव है। इस हार के बाद विभा पटेल पर मप्र महिला कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का दबाव भी बढ़ेगा। क्योंकि कांग्रेस के भीतर कई महिला नेत्री भोपाल की हार के बाद सक्रिय हो गई हैं। वे इस इंतजार में हैं कि नैतिकता के आधार पर विभा पटेल महिला कांग्रेस का अध्यक्ष पद कब छोड़ती हैं। हालांकि इस फैसला पीसीसी चीफ कमलनाथ करेंगे कि विभा पटेल महिला कांग्रेस की अध्यक्ष रहेंगी या फिर हटेंगी। मप्र में भाजपा की सियासी जड़े जितनी गहरी हैं, उसका पूरा श्रेय संघ को जाता है। मप्र में पिछले कुछ चुनावों से संघ का प्रत्याशी चयन में दखल बढ़ता जा रहा है। जबलपुर और इंदौर के महापौर प्रत्याशी चयन सीधे तौर पर संघ की पसंद के हैं

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में शहीद मंगल पांडे की जयंती और गोपालदास नीरज की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम

भोपाल। शहीद मंगल पांडे की 195 वीं जयंती और गोपालदास नीरज जी की चौथी पुण्यतिथि पर कांग्रेसजन, मंगलवार, 19 जुलाई को दोपहर 12 बजे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में दोनों विभूतियों के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर उनका पुण्य स्मरण करेंगे। उक्त आशय की जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता एवं कार्यक्रम समन्वयक आनंद तारण ने कांग्रेसजनों से उक्त कार्यक्रम में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

जनजातीय सीएम राइज़ स्कूलों के प्रिंसिपल आईआईएम इंदौर से सीखेंगे मैनेजमेंट व लीडरशिप के गुर

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभाग द्वारा सोमवार 18 जुलाई 2022 को शाहपुरा स्थित आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन अकादमी में पांच दिवसीय लीडरशिप एंड मैनेजमेंट प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत हुई। जनजातीय कार्य विभाग के अधीन सी.एम. राइज़ स्कूलों के 40 नवनियुक्त प्राचार्य इसमें हिस्सा ले रहे हैं जिसमें उन्हें लीडरशिप और मैनेजमेंट के गुर सिखाए जा रहे हैं। इसके दूसरे दिन मंगलवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान (आई.आई.एम.) इंदौर के विशेषज्ञ इन प्राचार्यों को चेंज मैनेजमेंट, लीडरशिप स्टाइल, लीडिंग इनोवेटिंग टीम्स, लीडरशिप एंड मोटिवेशन जैसे विषयों पर ट्रेनिंग देंगे। प्रशासन अकादमी, रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन (आर.आई.ई.) और जनजातीय कार्य विभाग के विशेषज्ञ इन प्राचार्यों को प्रशिक्षित करेंगे। प्राचार्यों को नजदीकी सी.एम. राइज़ स्कूल के अलावा निजी स्कूलों का भ्रमण भी करवाया जाएगा। साथ ही प्राचार्य पेनल डिस्कशन में भी शामिल होंगे। इस प्रशिक्षण का उद्घाटन जनजातीय कार्य विभाग के आयुक्त संजीव सिंह ने किया।

20 नए करयोग्य माल के परिवहन पर ई-वे बिल अनिवार्य

भोपाल। प्री-पैक्ड, प्री-लेबल्ड खाद्यान्न पर जीएसटी लगाने का निर्णय सोमवार से लागू हो गया। इसके चलते अब इन वस्तुओं के प्रदेश में परिवहन पर भी ई-वे बिल लेना अनिवार्य हो गया है। प्रदेश के अंदर एक जिले से दूसरे जिले में 1 लाख रुपए से अधिक कीमत का माल ले जाने पर और मध्यप्रदेश से किसी अन्य प्रदेश में 50 हजार रुपए से अधिक का माल ले जाने पर अब ई-वे बिल अनिवार्य हो गया है। इसके साथ ही इन वस्तुओं में व्यापार करने वाली कंपनी का टर्नओवर यदि 1 जुलाई 2017 से लेकर 31 मार्च 2022 के बीच कभी भी 20 करोड़ से ऊपर होता है तो उक्त कंपनी को बी2-बी करयोग्य विक्रय करने पर ई- इनवॉइस जारी करना भी जरूरी हो जाएगा। इसका असर उन सभी व्यापारियों पर पड़ेगा, जो अनरजिस्टर्ड ब्रांडेड खाद्यान्न का कारोबार कर रहे हैं। साथ ही ई-इनवॉइस जारी करने के लिए अब उक्त व्यापारियों को ई-इनवॉइस के पोर्टल पर भी एनरोलमेंट करवाना जरूरी हो जाएगा। सीबीआईसी के चेयरमैन विवेक जौहरी ने एक कार्यक्रम में कहा कि ई-इनवॉइसिंग एक्ट रिवोल्यूशन है व किसी अन्य देश ने यह अभी तक लागू नहीं किया है। भविष्य में जीएसटी सिस्टम इस तरह से विकसित किया जाएगा कि जीएसटी रिटर्न पूर्णतः ऑटो पॉपुलेट हो जाएंगे।

40 नगर पालिका परिषद और 169 नगर परिषद में भी होगी मतों की गणना

प्रदेश के 5 नगर पालिका निगम में 20 जुलाई को होगी मतगणना

भोपाल। 11 नगर निगमों सहित 133 नगरीय निकायों पर मतगणना के बाद अब भाजपा और कांग्रेस की नजर 20 जुलाई को होने वाली मतगणना पर है। दोनों पार्टियों के रणनीतिकार हार-जीत का गणित लगा रहे हैं। नगरीय निकाय निर्वाचन में 20 जुलाई को 43 जिलों के 214 नगरीय निकायों में मतगणना होगी और परिणाम घोषित किए जाएंगे।

मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह ने बताया कि सभी जिलों में मतगणना की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 20 जुलाई को 5 नगर पालिक निगम, 40 नगर पालिका परिषद और 169 नगर परिषद में सुबह 9 बजे से मतगणना होगी। नगर निगमकटनी, रतलाम, देवास, रीवा और मुरैना। नगर पालिका परिषद बैरसिया, नरसिंहगढ़, सारंगपुर, रायसेन, बेगमगंज, मंडीदीप, आष्टा, सिरोंज, खरगोन, बड़वाह, सनावद, शिवपुरी, चंदेरी, चौरई, परासिया, बालाघाट, महिदपुर, खाचरौद, नागदा, जावरा, शुजालपुर, आगर-मालवा, देवरी, बीना, नौगांव, महाराजपुर, हटा, टीकमगढ़, सीधी, मैहर, नर्मदापुरम, पिपरिया, सिवनी मालवा, मुलताई, धनपुरी, अनूपपुर, पसान, भिंड, गोहद, और सबलगढ़। नगर परिषद कुरावर, बोड़ा, पचोर, खिलचीपुर, जीरापुर, माचलपुर, तलेन, छापीहेड़ा, सांची, गैरतगंज, औबेदुल्लागंज, सुल्तानपुर, उदयपुरा, जावर, कोठरी, इछावर, नसरूल्लागंज, बुदनी, रेहटी, शाहगंज, कुरवाई, लटेरी, शमशाबाद, कसरावद, करही पाडल्याखुर्द, बिस्टान, मूंदी, पंधाना, माण्डवा, मेघनगर, ठीकरी, निवाली बुजुर्ग, चाचौड़ा बीनागंज, कुंभराज, आरोन, मधुसूदनगढ़, बैराढ़, कोलारस, करेरा, पिछोर, पोहरी, मगरौनी, मुगावली, ईसागढ़, पिपरई, भांडेर, सेंवढ़ा, लांजी, बरही, तराना, माकडोन, उन्हेल, नयागांव, जावद, डिकेन, रतनगढ़, सिंगोली, सरवनिया, महाराज, मनासा, कुकड़ेश्वर, रामपुरा, अठाना, नामली, पिपलौदा, बड़ावादा, धामनोद, पानखेड़ी, अकोदिया, टोंकखुर्द, भौंरासा, सोनकच्छ, पीपलरावां, बंडा, इंदरगढ़, शाहपुरा, मझौली, कटंगी, पाटन, बड़कुही, लोधीखेड़ा, पिपलानारायणवार, चांदामेटा बुटारिया, बिछुआ, चांद, न्यूटन चिखली, छपारा, केवलारी, कटंगी, शाहगढ़, राहतगढ़, मालथौन, बांदरी, बरोदियाकला, बारीगढ़, लवकुश नगर, चन्दला, मढ़ीमलहरा, बिजावर, सटई, बड़ामलहरा, धुवारा, बस्कवाहा, पटेरा, तेंदूखेड़ा, बड़ागांव धसान, कारी, जतारा, पलेरा, लिधौरा, जैरोन, पृथ्वीपुर, पवई, अमानगंज, गुन्नौर, गोविन्दगढ़, गूढ़, मनगंवा, सिरमौर, पोलायकलां, कानड, नलखेड़ा, सुसनेर, सोयतकलां, बडागांव, मल्हारगढ़, नारायणगढ़, पिपल्यामंडी, सीतामउ, शामगढ़, सुवासरा, भानपुरा, गरोठ, भैंसेदा, बैकुन्ठपुर, सेमरिया, त्यौंथर, चाकघाट, डभौरा आदि।

मुख्यमंत्री ने स्मार्ट सिटी उद्यान में पौधे रोपे

अंतर्राष्ट्रीय स्तर के दिव्यांग तैराक सत्येंद्र सिंह भी पौध-रोपण में हुए शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट उद्यान भोपाल में नीम, पीपल और बेलपत्र के पौधे रोपे। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ ग्वालियर के अंतर्राष्ट्रीय स्तर के दिव्यांग तैराक सत्येंद्र सिंह लोहिया ने भी पौधे लगाए। सत्येंद्र सिंह ने बताया कि वे नई अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयारी कर रहे हैं। पहले अनेक पदक हासिल कर चुके हैं। इंग्लिश चैनल, कैटलिन चैनल और यूके नार्थ चैनल उन्होंने तैर कर पार किया है। दिव्यांगता उनके मिशन में रोड़ा नहीं है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्री सिंह को बधाई दी और नई उपलब्धियाँ अर्जित करने के लिए शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि तैराक श्री सिंह भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। मध्यप्रदेश शासन द्वारा श्री सिंह को पूर्ण सहयोग और प्रोत्साहन दिया जाएगा।

23 को आजाद एवं तिलक की जयंती जिला एवं ब्लाक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करेगी कांग्रेस

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने 23 जुलाई को चन्द्रशेखर आजाद एवं बाल गंगाधर तिलक जयंती जिला एवं ब्लाक स्तर पर श्रद्धापूर्वक मनाए जाने हेतु निर्देश जारी किये हैं। उक्त आशय की जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष चंद्रप्रभाष शेखर ने बताया है कि चन्द्रशेखर आजाद का जन्म 23 जुलाई, 1906 को मप्र के भाभरा गांव में हुआ था। चन्द्रशेखर आजाद एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे, उनकी उग्र देशभक्ति और साहस में उनकी पीढ़ी के लोगों को स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया, वे 1919 में अमृतसर में हुए जलियां वाला बाग हत्याकांड से बहुत आहत और परेशान हुए, 1921 में जब महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन की शुरूआत की तब चंद्रशेखर आजाद ने क्रांतिकारी गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्हें 15 वर्ष की उम्र में ही पहली सजा मिली, चन्द्रशेखर आजाद को क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लेने के लिए पकड़ा गया, जब मजिस्ट्रेट ने उनसे उनका नाम पूछा तो उन्हेंाने अपना नाम आजाद बताया । श्री शेखर ने कहा कि वहीं बाल गंगाधर तिलक का जन्म भी 23 जुलाई 1856 को महाराष्ट्र के रत्नागिरी में हुआ। बाल गंगाधर तिलक को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का जनक माना जाता है। स्वंत्रता आंदोलन के दौरान उनके नारे स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, और मैं इसे ले कर रहूंगा । इस नारे ने लाखों भारतियों को प्रेरित किया। श्री शेखर ने कहा कि दोनो महान स्वतंत्रा सैनानियों की जयंती पर कांग्रेसजन जिला एवं ब्लाक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करें तथा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए जयंती कार्यक्रम में जिला/ब्लाक के पदाधिकारी, प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारी, सांसद, पूर्व सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, अ.भा. कांग्रेस, प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि, कांग्रेस पक्ष के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, मोर्चा संगठनों, विभाग/प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं अन्य कांग्रेस के कार्यकर्ताओंकी भागीदारी सुनिश्चित करें।

कांग्रेस-भाजपा के असंतुष्टों को मिलेगा 'आप' का सहारा

विधानसभा का टिकट नहीं मिलने पर पकड़ सकते हैं झाड़ू

भोपाल। मप्र की राजनीति में यूं तो अभी तक कोई तीसरा मोर्चा खड़ा नहीं हो पाया है। बसपा और सपा को तीसरे मोर्चा के रूप में देखा जाता रहा है, लेकिन ये दोनों ही दल मप्र में खड़ा होने से पहले ही औंधे मुंह गिर पड़े हैं। मप्र में निकाय चुनाव में जिस तरह से आम आदमी पार्टी ने एंट्री की है, उससे अब मप्र में आप को तीसरा मोर्चा के रूप में देखा जाने लगा है। आम आदमी पार्टी ने निकाय चुनाव के पहले चरण में परिणाम में 17 पार्षद और एक महापौर की कुर्सी जीती है। इसके साथ ही अब यह अटकलें शुरू हो गई हैं कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और भाजपा के असंतुष्टों को आप का सहारा मिल सकता है। टिकट नहीं मिलने पर ये नेता झाड़ू पकड़ सकते हैं। मप्र में 2013 के विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी का वोट बैंक रहा है। इसके बाद मप्र ने अपना जनाधार खो दिया। अब मप्र में बसपा का उतना वोट बैंक नहीं है। जितना 2013 के पहले हुआ करता था। हालांकि वर्तमान में मप्र में बसपा के दो विधायक संजीव सिंह कुशवाह और राम बाई हैं। जबकि एक विधायक राजेश शुक्ला सपा से भी जीते थे। अब ये तीनों विधायक भाजपा के साथ हैं। इनमें से दो विधायक संजीव कुशवाह और राजेश घोषित तौर पर भाजपा के साथ हैं।

पर्यटन स्थल के होटलों में होगी मांग के अनुसार आपूर्ति, उत्पादन बढ़ाने पर जोर

पांच सितारा होटलों के मैन्यू में शामिल होगा कड़कनाथ

भोपाल। प्रदेश का कड़कनाथ की बढ़ती मांग और लोगों की पंसद को देखते हुए कड़कनाथ देश एवं महानगर की पांच सितारा होटलों में मैन्यू डिश में व्यंजन के रूप में शामिल होगा। इसके लिए गत दिनों आद्यौगिक एवं निवेश की नीति की बैठक में निर्णय हुआ है। इसके लिए कड़कनाथ का उत्पादन और अधिक बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। दरअसल एक साल में कड़कनाथ का उत्पादन बढने के बाद भी अभी मांग के अनुसार पूर्ति नहीं हो पा रही है। वहीं पांच सितारा व पर्यटन स्थल के होटल संचालकों ने मैन्यू में शामिल करने की सहमति दी है, लेकिन इसके लिए उन्होंने नियमित मांग अनुसार उत्पाद उपलब्ध कराने की बात कही हैं।

बताया जा रहा है कि आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत एक जिला एक उत्पाद में झाबुआ जिले की कड़कनाथ का शामिल किया गया है। झाबुआ में पाए जाने वाली कड़कनाथ मुर्गे की प्रजाति अपने गुणों के कारण इसकी मांग बढ़ रही है। दो माह पहले क्रिकेटर महेन्द्र ड्क्सह धोनी के फार्म हाउस में कड़कनाथ उत्पादन के लिए खेप पहुंची थी। इसके बाद इसकी पूछ- परख और बढ़ गई है। अब कड़कनाथ की मांग बढ़ती जा रही है। इसके अतिरिक्त इसकी मांग विदेशों में भी बढ़ रही है, लेकिन इसकी पूर्ति अभी नहीं हो पा रही है। गौरतलब है कि सरकार के कड़कनाथ को जी टैग प्रदान किया है।

बताया जा रहा है कि झाबुआ जिले में अप्रैल 2021 में जहां कड़कनाथ मुर्गे की संख्या जहां 71 सौ थी। वहीं 4 हैचरी मशीन थी जिनकी क्षमता 22 हजार अंडे थी। वहीं अब 8 हैचरी मशीन से 48 हजार अंडे का उत्पादन बढ़ा है।

8 प्रशिक्षण संस्थान एवं 5 सोसायटी का गठन

इसका उत्पादन बढ़ाने के लिए वर्तमान में 8 प्रशिक्षण संस्थान के अतिरिक्त नाबार्ड से 2 किसान उत्पादक संगठन का गठन किया गया है। जिनमें कुल 600 सदस्य है। इसके अतिरिक्त 8 प्रशिक्षण संस्थान और 5 सोसायटी बनाई गई है। इसके अतिरिक्त भोपाल, इंदौर और झाबुआ में एक कड़कनाथ पार्लर खोला गया है।

577 लघु कड़कनाथ पालक

झाबुआ जिला उत्पाद में शामिल होने के बाद वर्तमान में 10 वृहद एवं 577 लघु फार्म कड़कनाथ पालन कर रहे हैं। जबकि इसके पहले की कड़क नाथ को को महज 6 वृहद और 26 लघु कड़क नाथ लघु पालक थे।

होलसेल पैक पर नहीं बचेगा टैक्स

25 किलो से ज्यादा अनाज के पैक पर जीएसटी की छूट

भोपाल। जीएसटी काउंसिल ने 18 जुलाई से लागू नए नियमों पर स्पष्टीकरण जारी कर दिया है। कारोबारी खुश है कि 25 किलो या ज्यादा मात्रा वाले पैक खाद्यान्न पर जीएसटी लागू नहीं होगा। ऐसे में कई कारोबारी खुश है कि होलसेल पैक के जरिए वे टैक्स बचा लेंगे। जीएसटी विशेषज्ञ उन्हें सचेत कर रहे हैं कि होलसेल पैक पर छूट लागू नहीं होगी।

सोमवार से खाद्यान्न और खाद्य वस्तुएं जो पैकिंग और लेबल के साथ बिकेंगी, उस पर देशभर में जीएसटी लगेगा। हालांकि इसमें 25 किलो के पैक को छूट दी गई है। व्यापारियों का कहना है कि उपभोक्ता को बेचे जाने वाले कम वजन एक किलो से पांच किलो तक के पैक को वे एक बड़े पैक यानी होलसेल पैक में 25 या 50 किलो पैकिंग में इकट्ठा कर रिटेलर को आपूर्ति करते हैं। ऐसे में वे जीएसटी से बच जाएंगे। कमर्शियल टैक्स प्रेक्टिशनर्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट अनिल कुमार गौर के अनुसार व्यापारियों के इस विचार को भ्रांति करार दे रहे हैं।

स्वामी निष्ठावान एडवरटाइजर्स एण्ड मीडिया प्रा.लि., मुद्रक, प्रकाशक जय कुमार सिंह द्वारा मेसर्स श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 137, 138, 139, सेक्टर-आई, स्पेशल इंडस्ट्रीयल एरिया गोविंदपुरा-462023 भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 72 आदित्य एवेन्यू, सेकंड फ्लोर, जोन-II एम.पी. नगर भोपाल-11 (म.प्र.) से प्रकाशित।
स्थानीय संपादक: रिपुसूदन नामदेव। *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिम्मेदार (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) फोन: 0755-4221047, फैक्स:- 4273629, आर.एन.आई.नं. 58842/94